संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

■ वर्ष -17 ■ अंक-110 ■ रायपुर, गुरुवार 17 सितंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-1.50 रुपये

आज का पंचांग

वारः गुरुवार
तिथिः भाद्रपद शुक्ल षष्ठी
पक्षः शुक्ल पक्ष
मासः भाद्रपद (शुक्ल पक्ष)
ऋतुः वर्षा ऋतु
विक्रम संवतः 2083
शक संवतः 1948
नक्षत्रः अनुराधा
योगः विष्कम्भ
करणः तैतिल
चन्द्र राशिः वृश्चिक राशि में
सूर्य राशिः सिंह राशि में
पंचकः आज पंचक नहीं है।
अभिजीत मुहूर्तः दोपहर 12:08 से 12:57 तक।
राहुकालः दोपहर 02:04 से 03:36 तक

मुख्यमंत्री ने एचडीएफसी बैंक के छत्तीसगढ़ में 25 वर्ष पूर्ण होने पर विशेष लोगो का किया विमोचन

बस्तर-सरगुजा सहित प्रदेश के दूरस्थ ग्रामीण अंचलों तक बैंकिंग नेटवर्क का करें विस्तार : सीएम साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में एचडीएफसी बैंक के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को एचडीएफसी बैंक द्वारा छत्तीसगढ़ में अपनी सेवाओं के 25 वर्ष पूर्ण किए जाने की जानकारी दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस उपलब्धि पर बैंक प्रबंधन, अधिकारियों-कर्मचारियों और ग्राहकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने बैंक के छत्तीसगढ़ में 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में तैयार किए गए विशेष लोगो का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बैंक के प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए कहा कि किसी भी प्रदेश की आर्थिक प्रगति में मजबूत और सर्वसुलभ बैंकिंग व्यवस्था की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पिछले वर्षों में बैंकिंग सेवाओं में तेजी से विस्तार हुआ है और डिजिटल तकनीक ने वित्तीय सेवाओं को पहले से अधिक सहज बनाया है। अब आवश्यकता इस बात की है कि आधुनिक बैंकिंग सुविधाओं का लाभ केवल बड़े शहरों और व्यावसायिक केंद्रों तक सीमित न रहे, बल्कि गांवों और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों तक भी समान रूप से पहुंचे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में बैंकिंग नेटवर्क का और विस्तार करते हुए विशेष रूप से बस्तर एवं सरगुजा अंचल के ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक बैंकिंग सुविधाओं की

पहुंच बढ़ानी चाहिए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का एक बड़ा हिस्सा ग्रामीण और जनजातीय बहुल है। इन क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं की उपलब्धता बढ़ने से लोगों को आर्थिक गतिविधियों से जुड़ने के अधिक अवसर मिलेंगे और सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी अधिक सुगमता से उन तक पहुंच सकेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गांव के नजदीक बैंक की शाखा या बैंकिंग सुविधा उपलब्ध होने का प्रभाव केवल बैंकिंग लेन-देन तक सीमित नहीं रहता। इसके दूरगामी सामाजिक और आर्थिक परिणाम होते हैं। ग्रामीणों को अपने खाते से संबंधित सामान्य कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ता, उनका समय और संसाधन बचता है तथा बचत और औपचारिक बैंकिंग के प्रति उनका विश्वास बढ़ता है। ऋण, बीमा, डिजिटल भुगतान और अन्य वित्तीय सेवाओं तक आसान पहुंच मिलने से परिवारों के आर्थिक सशक्तीकरण का मार्ग भी प्रशस्त होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज केंद्र और राज्य सरकार की अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं की राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में पहुंच रही है। ऐसे में अंतिम व्यक्ति तक बैंकिंग सेवाओं की सहज उपलब्धता सुशासन की व्यवस्था को भी मजबूत करती है। बैंकिंग नेटवर्क के विस्तार का लाभ नागरिकों के साथ-साथ शासन को भी मिलता है, क्योंकि इससे योजनाओं का लाभ पारदर्शी, सुरक्षित और समयबद्ध ढंग से हितग्राहियों तक पहुंचाने में सहायता मिलती है।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं के विस्तार से स्थानीय अर्थव्यवस्था में भी नई ऊर्जा आती है। किसानों को कृषि एवं उससे संबंधित गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता, युवाओं को स्वरोजगार और उद्यम स्थापित करने के लिए ऋण तथा छोटे व्यवसायियों को अपने कारोबार के विस्तार के लिए पूंजी आसानी से उपलब्ध हो सकती है।

नातिन ने नाना को मारकर शव कुएं में फेंका

झांसी। झांसी के चिरगांव थाना क्षेत्र में रिश्तों को झकझोर देने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, एक बुजुर्ग ने अपनी नाबालिग नातिन को उसके कथित साथी के साथ घर में देख लिया था। इसके बाद हुए विवाद में बुजुर्ग की हत्या कर दी गई और शव को कुएं में फेंक दिया गया। शुरुआत में मौत को हादसा मानकर अंतिम संस्कार भी कर दिया गया, लेकिन तीन दिन बाद घर की सफाई के दौरान मिले खून से सने कपड़ों ने पूरे मामले से पर्दा उठा दिया। मृतक की पहचान छिरौना गांव निवासी रामदीन के रूप में हुई है। मृतक के दामाद अशोक कुमार की तहरीर पर पुलिस ने नाबालिग नातिन और उसके कथित साथी विशाल के खिलाफ हत्या और साक्ष्य छिपाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत के मुताबिक, घटना 12 सितंबर 2026 की बताई गई है।

मकान तोड़ते समय अचानक भरभराकर गिरा मलबा, 3 महिलाओं की मौत

इंदौर। इंदौर के सांवेर विधानसभा क्षेत्र में बड़ा हादसा हुआ है। यहां जर्जर मकान गिरने से 3 महिलाओं की अचानक मौके पर मौत हो गई। एक महिला की मलबे में दबे होने की खबर है जबकि चार लोग गंभीर घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को एमवाय अस्पताल रेफर किया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद मलबा हटाने और राहत-बचाव का काम शुरू किया गया। दरअसल, सांवेर क्षेत्र में जर्जर मकान को तोड़ने का काम चल रहा था, उसी दौरान मकान का हिस्सा अचानक गिर गया।

वहां मौजूद लोग मलबे की चपेट में आ गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

NIA कोर्ट ने सुनाई सजा

झीरम कांड के सभी आरोपियों को मृत्युदंड

जगदलपुर ■ एजेंसी

झीरम घाटी हत्याकांड मामले में जगदलपुर NIA कोर्ट ने आज सभी आरोपियों को मृत्युदंड (फांसी) की सजा सुनाई है। घटना के 13 साल बाद न्यायधीश अजय सिंह राजपूत ने सभी 10 आरोपियों को फांसी की सजा सुनाई है, लेकिन जब तक छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट इसकी पुष्टि नहीं करता तब तक यह सजा नहीं होगी।

बता दें कि 25 मई 2013 को कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा के काफिले पर नक्सली हमला हुआ था। इसमें कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, बस्तर टाइगर महेंद्र कर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल समेत 32 लोगों की मौत हुई थी।

ये हैं आरोपी

1) प्रमिला मोडियम
2) चैतू लेकाम उर्फ मुन्ना
3) सुमित्रा उर्फ सुमित्रा पुनेम मोडियम
4) मुक्का मांडवी
5) कोसा कवासी उर्फ कोसाराम
6) आयता मरकाम
7) मदकामी देवा
8) जोगा मदकामी
9) बनजामी सन्ना उर्फ चमरू उर्फ डेंगा

10) महादेव नाग

कुल 11 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज था, जिसमें से एक की मृत्यु हो चुकी है।

जानिए क्या है पूरा मामला

दरअसल, 2013 में छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव होने थे। रमन सिंह मुख्यमंत्री थे। 10 साल से विपक्ष में बैठी कांग्रेस जीत के लिए जोर लगा रही थी। पार्टी पूरे राज्य में परिवर्तन यात्रा चला रही थी। 25 मई को सुकमा में परिवर्तन रैली की गई। रैली के बाद कांग्रेस नेताओं का काफिला सुकमा से जगदलपुर जा रहा था। इसमें करीब 25 गाड़ियां थीं। इन गाड़ियों में 200 नेता-कार्यकर्ता थे।

सबसे आगे कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, उनके बेटे दिनेश पटेल और कवासी लखमा थे। उनके पीछे महेंद्र कर्मा और मलकीत सिंह गैदू की गाड़ी थी। उनके पीछे बस्तर के कांग्रेस प्रभारी उदय मुदलियार चल रहे थे।

यानी छत्तीसगढ़ कांग्रेस की पूरी टॉप लीडरशिप इस काफिले में थी। दोपहर करीब 3:40 बजे काफिला झीरम घाटी में पहुंचा। यहीं नक्सलियों ने पेड़ गिराकर रास्ता बंद कर दिया। गाड़ियां रुकते ही 200 से ज्यादा नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी।

हमले में नंदकुमार पटेल और उनके बेटे दिनेश की मौके पर ही मौत हो गई। करीब डेढ़ घंटे तक फायरिंग होती रही।

शाम करीब 5:30 बजे नक्सली पहाड़ों से उतरकर नीचे आए और एक-एक गाड़ी चेक की। एक गाड़ी में उन्हें सलवा जुडूम आंदोलन शुरू करने वाले महेंद्र कर्मा मिल गए। आंदोलन की वजह से नक्सली महेंद्र कर्मा को दुश्मन समझते थे। उन्होंने बेरहमी से महेंद्र कर्मा की हत्या कर दी। उन्हें करीब 100 गोलियां मारी गईं। चश्मदीदों के मुताबिक, नक्सलियों ने कुछ नेताओं को नाम लेकर पहचाना और उन्हें गोली मारी। हमला पूरी योजना के साथ किया गया। खुफिया एजेंसियों को हमले की कोई भनक नहीं थी।

राहुल गांधी ने UPI टैक्स वापस लेने की मांग की

वीडियो जारी कर पीएम मोदी से की अपील

नई दिल्ली ■ एजेंसी

यूपीआई टैक्स को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक वीडियो जारी कर इसे वापस लेने की मांग की। राहुल गांधी ने इस वीडियो में इंदिरा गांधी के फैसलों का उदाहरण दिया और यह बताया कि वे अपने फैसलों में कितनी सख्त थीं। उन्होंने पीएम मोदी पर अमेरिका के आगे घुटने टेकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मोदी जी आप खड़े हो जाइये और यूपीआई टैक्स को वापस लीजिए। उन्होंने सरकार की ओर से प्रस्तावित एमडीआर टैक्स वापस लेने की मांग की । दरअसल केंद्र सरकार ने 15 अक्तूबर से 2000 से अधिक के यूपीआई पेमेंट पर 0.4 प्रतिशत चार्ज लगाने का ऐलान किया है। लेकिन ये पेमंट कस्टमर को नहीं देना होगा बल्कि कंपनी या दुकान को देना होगा। हालांकि, दो लोगों के बीच होने वाले पी2पी यूपीआई ट्रांजेक्शन पर किसी भी राशि के लिए कोई एमडीआर टैक्स नहीं लगेगा। इसके अलावा 2,000 रुपये तक के छोटे व्यापारी लेनदेन भी इस टैक्स से बाहर रहेंगे।

गांधी ने वीडियो में कहा, "एक बार (पूर्व प्रधानमंत्री) इंदिरा गांधी जी से पूछा गया था कि वह लेफ्ट की ओर जाना चाहती हैं या फिर राइट की ओर। उनका जवाब था कि मैं न लेफ्ट की ओर झुकाव रखती हूं, न राइट की ओर, मैं सीधे खड़ी रहती हूं। मोदी जी की अवधारणा बिल्कुल अलग है। वह न लेफ्ट की ओर हैं, न राइट कीओर, उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप के सामने झुकने का फैसला किया है।" उन्होंने कहा, "मोदी जी ने यूपीआई पर कर लगाकर हर भारतीय पर टैक्स लगाया है और अमेरिका को बड़ी रकम दी जा रही है।" गांधी ने अपनी पोस्ट में कहा, "मोदी जी, यूपीआई टैक्स वापस लें। अभी।"

देश की तरक्की से परेशान है कांग्रेस : नितिन

नई दिल्ली ■ एजेंसी

UPI MDR ट्रांज़ैक्शन चार्ज पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के ट्वीट पर BJP के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पलटवार किया है। नितिन नवीन ने कहा कि विपक्ष की बेचैनी देश की तरक्की की वजह से है। उन्हें BRICS समिट, AI समिट में भी कमियां नज़र आती हैं। आज देश में चल रही विकास योजनाओं को देखिए; इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश 7 लाख करोड़ रुपये का है... वे आयुष्मान भारत या प्रधानमंत्री आवास योजना से फ़ायदा उठाने वाले लाखों-करोड़ों लोगों को नहीं देखते। उनमें इन मुद्दों पर सार्थक चर्चा करने का नज़रिया नहीं है। इसलिए, सरकार की पहलों पर सिर्फ़ आरोप-प्रत्यारोप लगाने के बजाय, इस बात पर चर्चा होनी चाहिए कि हम विकास के मॉडल के ज़रिए समाज को कैसे आगे बढ़ा रहे हैं। इससे पहले कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को उस व्यवस्था को तुरंत वापस लेने की मांग की, जिसे उन्होंने "UPI टैक्स" कहा है। यह व्यवस्था यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) से पेमेंट करते समय कुछ मर्चेंट ट्रांज़ैक्शन पर लगने वाले शुल्क में बदलाव करती है।

षड्यंत्रकारी बाहर घूम रहे : भूपेश बघेल

रायपुर ■ दैनन्दिनी

झीरम घाटी हत्याकांड मामले में जगदलपुर की विशेष NIA अदालत ने बुधवार को सभी 10 दोषियों को मृत्युदंड की सजा सुनाई। 13 साल पुराने इस मामले में अदालत ने 5 सितंबर को सभी 10 आरोपियों को दोषी करार दिया था और 16 सितंबर को सजा का ऐलान किया है। वहीं अदालत के फैसले के बाद पूर्व सीएम भूपेश बघेल, पीसीसी चीफ दीपक बैज और घटना के गवाह शिव सिंह ठाकुर ने प्रतिक्रिया देते हुए सवाल उठाए हैं। भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा, झीरम राजनीतिक जनसंहार के

मामले में नक्सलियों के पैदल पियादों को दी गई सजा न अनुपातिक है और न इसे न्याय कहा जा सकता है। जिन्होंने षड्यंत्र रचा और जिन्होंने इस जनसंहार को अंजाम दिया, वे तो अभी भी बाहर खुले घूम रहे हैं। नक्सलियों के बड़े नेताओं का नाम, पता नहीं किसके इशारे पर, NIA ने पहले ही हटा दिए थे। उन पर तो आरोप भी नहीं लगाया गया। न NIA ने षड्यंत्र की जांच की, न जांच आयोग ने इसकी जांच की। भाजपा के नेता लगातार अड़ंगा अटकाते रहे और जांच नहीं होने दी। अदालत के फैसले से हमारी सोच बदलने का प्रश्न ही नहीं है। हम अब भी मानते हैं कि न्याय अधूरा है, क्योंकि जांच अधूरी है।

PCC चीफ दीपक बैज ने कहा कि 10 दोषियों को फांसी की सजा सुनाई गई है, लेकिन ये 10 लोग कौन हैं? उन्होंने ने दावा किया कि ये वो छोटे नक्सली हैं, जो बड़े नक्सलियों का झोला उठाते थे, राशन इकट्ठा करते थे और पानी पिलाने का काम करते थे।

समुंदर में टकरा गए भारत और पाकिस्तान की नौसेना के जहाज

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ते बीते कुछ समय से लगातार खराब चल रहे हैं। इस बीच अरब सागर में एक ऐसी घटना हुई है जिससे दोनों देशों के बीच तनाव और ज्यादा बढ़ सकता है। जानकारी के अनुसार, बुधवार 15 सितंबर को शाम में भारतीय नौसेना और पाकिस्तानी नौसेना के जहाज के बीच समुंदर में टक्कर हो गई है। भारत ने इस घटना को लेकर विरोध जताया है और पाकिस्तान को समझौते का सम्मान करने की चेतावनी दी है। जानकारी के अनुसार, नई दिल्ली में पाकिस्तान के उच्चायोग के

प्रभारी (चार्ज डी अफेयर्स) को विदेश मंत्रालय में तलब भी किया गया है। भारतीय नौसेना की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, 15 सितंबर को उत्तरी अरब सागर में रूटीन सर्विलांस मिशन के दौरान पाकिस्तानी नौसेना का एक जहाज भारतीय नौसेना के एक फ्रंटलाइन युद्धपोत के पास आ गया। बताया गया है कि पाकिस्तानी जहाज तेज गति से चल रहा था और असुरक्षित व गैर-पेशेवर तरीके से हरकतें कर रहा था। इस कारण दोनों जहाजों के बीच टक्कर हो गई। हालांकि, इस घटना के कारण किसी नुकसान की खबर नहीं है। ये पूरी घटना भारतीय नौसेना के नियमित निगरानी अभियान के दौरान हुई। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस घटना में शामिल पाकिस्तानी नौसेना के युद्धपोत की पहचान PNS हुनैन के तौर पर हुई है। यह जहाज पाकिस्तान नौसेना के यारमूक क्लास का 'ऑफशोर पेट्रोल वेसल' (तटीय गश्ती पोत) है। इस पूरे मामले के सामने आने के बाद भारत ने कड़ा विरोध जताया है। नई दिल्ली में पाकिस्तानी उच्चायोग के चार्ज डी'अफेयर्स (राजनयिक प्रमुख) को विदेश मंत्रालय में तलब किया गया है।

भगवान श्री बलराम जयंती: किसान दिवस पर राज्य स्तरीय कृषक संगोष्ठी संपन्न

प्रदेश के किसान प्राकृतिक खेती के माध्यम से भूमि की रक्षा की दिशा में भी कार्य कर रहे : रामविचार नेताम

रायपुर ■ दैनन्दिनी

भारतीय कृषि परंपरा में भगवान श्री बलराम जी का विशेष स्थान है। भगवान बलराम को हल एवं कृषि के प्रतीक के रूप में स्मरण किया जाता है। उनके हाथों में सुशोभित हल किसान के श्रम धरती से उसके गहरे संबंध और कृषि संस्कृति का प्रतीक है। भगवान बलराम जयंती किसान के परिश्रम, कृषि के महत्व तथा धरती और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति हमारी जिम्मेदारी का स्मरण कराती है। इसी भावना को केंद्र में रखते हुए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा भगवान बलराम दिवस को प्रदेश में किसान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में स्वामी विवेकानंद सभागार, कृषि महाविद्यालय, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में "भगवान श्री बलराम जयंती-किसान दिवस" के अवसर पर "छत्तीसगढ़ में दलहन, तिलहन एवं प्राकृतिक खेती" विषय पर राज्य स्तरीय कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम थे। कार्यक्रम में डॉ. गिरिश चंदेल, कुलपति, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर डॉ. आर.आर.बी. सिंह, कुलपति दाऊ वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय, दुर्ग तथा डॉ. रवि रतन सक्सेना, कुलपति महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, दुर्ग

शामिल रहे। इसके साथ ही श्री राहुल देव, संचालक कृषि, श्री सुरेश चंद्रवंशी, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ कृषक कल्याण परिषद श्री राजेंद्र नायक, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक सहित कृषि एवं किसान कल्याण से जुड़े अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। कृषि मंत्री श्री नेताम ने कहा कि प्रदेश में भगवान बलराम दिवस को किसान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने भगवान बलराम जी के स्वरूप का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस युग में लोग अस्त्र-शस्त्र के स्थान पर हल और मूसल लेकर चलते थे, वह कृषि एवं श्रम की महत्ता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में विभिन्न प्रकार की फसलों की खेती की जा रही है और प्रदेश के किसान प्राकृतिक खेती के माध्यम से भूमि की रक्षा की दिशा में भी कार्य कर रहे हैं। कृषि मंत्री ने रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर विचार करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधन सीमित हैं और उनके उपयोग का अधिकार सभी का है। इसलिए इनका उपयोग संतुलित एवं जिम्मेदारी के साथ किया जाना चाहिए। उन्होंने जल संसाधनों के अत्यधिक दोहन की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि एक ओर जल का दोहन किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कई स्थानों पर किसानों एवं आम लोगों को पीने के पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

BMW से पिज्जा डिलीवर करते थे दिव्यांका त्रिपाठी के पति विवेक, ग्राहक रह जाते थे हैरान, बार टेबल साफ करने से लेकर फैक्ट्री तक किया काम

मुंबई (एजेंसी)। टीवी की दुनिया में अपनी पहचान बनाने वाले अभिनेता विवेक दहिया आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। लेकिन एक्टिंग में नाम कमाने से पहले उनकी जिंदगी का एक ऐसा दौर भी रहा, जब वह ब्रिटेन में पढ़ाई कर रहे थे और अपने खर्चों के लिए अलग-अलग तरह के छोटे-मोटे काम किया करते थे। हाल ही में एक इंटरव्यू में विवेक ने विदेश में बिताए अपने छात्र जीवन के दिनों को याद किया और बताया कि किस तरह उन्होंने खुद को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई तरह की नौकरियां कीं। उनके संघर्ष की कहानी में सबसे दिलचस्प किस्सा उनका पिज्जा डिलीवरी का है, जब वह BMW से ग्राहकों के घर पिज्जा पहुंचाने जाया करते थे। फिल्मी ज्ञान को दिए इंटरव्यू में विवेक दहिया ने बताया कि जब वह करीब 18 साल के थे, तब ब्रिटेन में पढ़ाई कर रहे थे। उस समय उनकी कोशिश थी कि वह अपने खर्चों के लिए खुद कमाएं और पिता पर आर्थिक रूप से निर्भर न रहें। नौकरी की तलाश में उन्होंने अपना सीवी प्रिंट कराया और शहर के अलग-अलग स्टोर्स में जाकर उसे जमा करना शुरू किया। विवेक के मुताबिक विदेश में पढ़ाई के दौरान बिना अनुभव के शुरुआत में कोई बड़ी या गंभीर नौकरी मिलना आसान नहीं था।

उन्होंने यह भी बताया कि उस समय कई छात्र अपने सीवी में भारत में एनजीओ के साथ काम करने जैसी चीजें लिख दिया करते थे, क्योंकि शुरुआती नौकरी हासिल करने के लिए अनुभव दिखाना जरूरी माना जाता था। उनके अनुसार, उस दौर में यह तरीका वहां पढ़ने वाले कई छात्रों के बीच आम था।

बार में बारटेंडर बनने का था सपना

विवेक ने अपने पहले कामों में से एक का किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि एक बार उन्हें एक बार के बाहर बारटेंडर की नौकरी की वैकेंसी दिखाई दी। उन्हें यह काम काफी ग्लैमरस लगा और वह कॉकटेल बनाने तथा ग्लास के साथ काम करने की कल्पना किया करते थे। वह अपने एक दोस्त के साथ वहां पहुंचे और दोनों को उम्मीद थी कि उन्हें बारटेंडर की नौकरी मिल जाएगी। हालांकि मैनेजर ने उन्हें बारटेंडर की जिम्मेदारी देने से इनकार कर दिया। इसके बजाय उसने कहा कि रात शुरू होने के बाद वे दूसरे कामों में मदद कर सकते हैं। दोनों दोस्तों ने नौकरी स्वीकार कर ली। लेकिन जल्द ही उन्हें समझ आ गया कि काम उनकी कल्पना से बिल्कुल अलग था।

टेबल साफ करने से लेकर कूड़ेदान उठाने तक किया काम

विवेक ने बताया कि उन्हें स्प्रे और कपड़े की मदद से टेबल साफ करने का काम दिया गया। रात बढ़ने के साथ उन्हें फर्श पर पड़ी टूटी बोतलों और कांच के टुकड़ों को भी उठाना पड़ा। बार-बार झुकने की वजह से कुछ ही समय में उनकी कमर में दर्द होने लगा। इसके बाद मैनेजर ने उन्हें कूड़ेदानों से कचरा उठाने के लिए भी कहा। काम का यह अनुभव उनके और उनके दोस्त के लिए इतना अलग था कि दोनों ने नौकरी छोड़ने का फैसला कर लिया। विवेक के मुताबिक, उनके दोस्त ने मैनेजर से कहा कि वह काम छोड़ रहा है और विवेक भी उसके साथ वहां से निकल गए।

बैसाखी थामे जहीर इकबाल को सहारा देती दिखीं सोनाक्षी सिन्हा गणपति बप्पा के दरबार में पहुंचे कपल, लिया आशीर्वाद

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति जहीर इकबाल इन दिनों गणेश उत्सव की भक्ति में रंगे नजर आ रहे हैं। दोनों हाल ही में भगवान गणेश का आशीर्वाद लेने एक गणपति पंडाल पहुंचे। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में सोनाक्षी और जहीर साथ नजर आ रहे हैं। इस दौरान दोनों ने पारंपरिक परिधानों में पहुंचकर लोगों का ध्यान खींचा और कैमरे के सामने साथ में पोज भी दिए।

गणपति उत्सव के मौके पर सोनाक्षी सिन्हा ने बेहद खूबसूरत एथनिक आउटफिट चुना। उनका पूरा लुक सादगी के साथ स्टाइलिश भी नजर आया। उन्होंने अपने आउटफिट के साथ मैचिंग ढीली-फिटिंग ब्लू सलवार पैंट पहनी थी और एक ड्रेप स्टाइल दुपट्टा कंधे पर कैरी किया था। खुले बालों की जगह उन्होंने बालों को स्लीक बैक बन में स्टाइल किया, जिससे उनका लुक और भी एलिगेंट दिखाई दिया। वहीं जहीर इकबाल ने भी इस खास मौके के लिए इंडो-वेस्टर्न अंदाज को चुना। उन्होंने ऑफ-व्हाइट रंग की शॉर्ट ट्यूनिक शर्ट पहनी थी, जिसमें मैंडरिन कॉलर, चेस्ट फ्लैप पॉकेट और साइड में कार्गो पॉकेट जैसी डिटेलिंग थी। शर्ट के निचले हिस्से पर हल्का ग्राफिक प्रिंट भी नजर आया। इसके साथ उन्होंने वाइड-लेग ब्लैक ट्राउजर पहना था। दोनों ने साथ में कैमरे के लिए पोज दिए और उनका सिंपल लेकिन स्टाइलिश अंदाज सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गया।

सामने आए वीडियो में सोनाक्षी और जहीर गणपति पंडाल में जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। दोनों ने इस दौरान भगवान गणेश के दर्शन किए और बप्पा का आशीर्वाद लिया।

बॉलीवुड के कई सितारे हर साल गणेश उत्सव के दौरान अलग-अलग पंडालों और पूजा आयोजनों में शामिल होते हैं। इसी सिलसिले में सोनाक्षी और जहीर भी गणपति उत्सव का हिस्सा बने। दोनों की शादी के बाद यह कपल अक्सर साथ नजर आता रहा है।

बेटे का हाथ थामे तेज बारिश में निकले गोविंदा यशवर्धन संग किया गणपति विसर्जन

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा ने गणपति बप्पा को भावुक विदाई दी। गणेश चतुर्थी के मौके पर घर में भगवान गणेश का स्वागत करने के बाद अब अभिनेता अपने बेटे यशवर्धन आहूजा के साथ विसर्जन की रस्म में शामिल हुए। मुंबई में लगातार हो रही बारिश के बीच गोविंदा और यशवर्धन ने मिलकर गणपति बप्पा की पूजा-अर्चना की और पारंपरिक तरीके से उन्हें विदाई दी। दोनों के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। बता दें, गणपति को जब घर लाया गया था तो गोविंदा अमेरिका में थे, वहां से लौटते ही वो पूजा में शामिल हुए, लेकिन तब भी सुनीता नदारद रहीं।

गणपति विसर्जन के दौरान गोविंदा और उनके बेटे यशवर्धन पारंपरिक लाल कुर्ते में नजर आए। तेज बारिश के बावजूद दोनों भीड़ के बीच से गणपति बप्पा को विसर्जन स्थल तक लेकर जाते दिखाई दिए। इस दौरान गोविंदा पूरे समय धार्मिक रस्मों में व्यस्त नजर आए। वीडियो में अभिनेता को पूजा और विसर्जन से जुड़ी परंपराओं को निभाते हुए देखा जा सकता है। बारिश लगातार जारी थी, लेकिन इसका असर उनके उत्साह पर नजर नहीं आया। बेटे के साथ बप्पा को विदाई देते हुए गोविंदा काफी भावुक भी दिखाई दिए।

गोविंदा के लिए इस बार गणपति विसर्जन इसलिए भी खास रहा क्योंकि उन्होंने अपने बेटे यशवर्धन के साथ मिलकर इस धार्मिक आयोजन में हिस्सा लिया। दोनों को एक साथ देखकर वहां मौजूद लोगों और फैंस का भी ध्यान उनकी तरफ गया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में पिता-पुत्र की बॉन्डिंग भी देखने को मिली। गोविंदा जहां पूरे भक्ति भाव से पूजा करते नजर आए, वहीं यशवर्धन भी पिता के साथ कदम से कदम मिलाते हुए विसर्जन की रस्मों में शामिल हुए। भारी बारिश के बीच उनका यह अंदाज लोगों को खूब पसंद आ रहा है।

हालांकि गणपति विसर्जन में गोविंदा और यशवर्धन की मौजूदगी रही, लेकिन अभिनेता की पत्नी सुनीता आहूजा वहां नजर नहीं आईं। उनकी गैरमौजूदगी ने एक बार फिर दोनों के रिश्ते को लेकर चल रही चर्चाओं का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

फिर लगेगा ठहाकों का तड़का, लौट रहा 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का सीजन 5, तय हो गई प्रीमियर डेट

मुंबई (एजेंसी)। कॉमेडियन कपिल शर्मा एक बार फिर अपने पॉपुलर कॉमेडी गैंग के साथ दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के पांचवें सीजन की घोषणा कर दी है। लंबे समय से शो की वापसी का इंतजार कर रहे दर्शकों के लिए यह खबर किसी ट्रीट से कम नहीं है। खास बात यह है कि नया सीजन फेस्टिव सीजन की शुरुआत के साथ दर्शकों के बीच दस्तक देने जा रहा है। शो का प्रीमियर 26 सितंबर से होगा और इसके नए एपिसोड हर शनिवार स्ट्रीम किए जाएंगे।

'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के सीजन 5 का पहला एपिसोड 26 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगा। इसके बाद हर शनिवार रात 8 बजे शो का नया एपिसोड दर्शकों को देखने के लिए मिलेगा। यानी वीकेंड की शाम एक बार फिर कपिल शर्मा और उनकी टीम के साथ कॉमेडी, मस्ती और सेलिब्रिटी गपशप के नाम रहेगी। शो को इस बार भी खास तौर पर फेस्टिव सीजन को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। आने वाले एपिसोड्स में दिवाली और क्रिसमस जैसे त्योहारों का रंग भी देखने को मिलेगा। हालांकि, शो में शामिल होने वाले सेलिब्रिटी गेस्ट्स की पूरी लिस्ट फिलहाल मेकर्स ने सार्वजनिक नहीं की है।

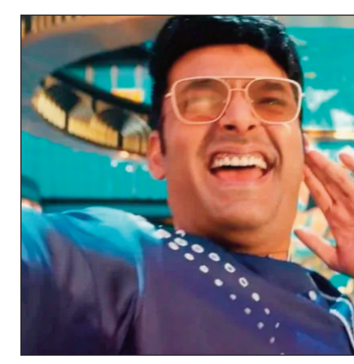

सीजन 5 में कपिल शर्मा के साथ उनके पुराने और लोकप्रिय साथी एक बार फिर दर्शकों का मनोरंजन करते नजर आएंगे। शो में सुनील ग्रोवर, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, अर्चना पूरन सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू की वापसी हो रही है। शो का फॉर्मेट भी पहले की तरह कॉमेडी और सेलिब्रिटी एंटरटेनमेंट का मिश्रण रहेगा। इसमें स्टार्स के साथ मजेदार बातचीत, कॉमेडी स्केच, कलाकारों के बीच नोकझोंक और हल्की-फुल्की रोस्टिंग देखने को मिलेगी। कपिल और उनकी टीम अपने खास अंदाज में मेहमानों से बातचीत करते हुए कई मजेदार किस्से भी सामने ला सकती है।

नए सीजन को लेकर कपिल शर्मा ने कहा कि हर बार उन्हें लगता है कि उन्होंने काफी मस्ती कर ली है, लेकिन फिर एहसास होता है कि अभी बहुत कुछ बाकी है। उन्होंने नेटफ्लिक्स के जरिए दुनियाभर में शो को मिले प्यार के लिए दर्शकों का शुक्रिया भी अदा किया। कपिल ने कहा कि इस बार टीम आने वाले त्योहारों को पूरे उत्साह के साथ सेलिब्रेट करने वाली है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में अर्चना पूरन सिंह को लेकर भी टिप्पणी की और कहा कि बस उनके लिफाफे और गिफ्ट्स से दूर रहना है, बाकी टीम दर्शकों के लिए 'हंसी का त्योहार' लेकर आ रही है।

सेहत

खाली पेट चाय-कॉफी पीने की आदत पड़ सकती है भारी

गट हेल्थ को हो सकता है नुकसान, एक्सपर्ट ने बताया क्यों?

अगर आप भी बिना कुछ खाए-पिए सुबह चाय-कॉफी पीते हैं तो यह आदत आपके पेट को धीरे-धीरे नुकसान पहुंचा सकती है। आयुर्वेदिक हेल्थ कोच डिंपल जांगड़ा अपने यू ट्यूब वीडियो बताया कि खाली पेट कैफीन लेने से कुछ लोगों में पेट में एसिडिटी और जलन जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। इससे एसिडिटी, रिफ्लक्स, सीने में जलन और पेट में असहजता महसूस हो सकती है। ऐसे में वो बता रही हैं कि खाली पेट किन चीजों का सेवन करना चाहिए और कॉफी का सेवन करते समय किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है। आइए जानते हैं कॉफी पीते समय अपने पेट की सेहत का ख्याल कैसे रखें।

सुबह खाली पेट क्या पियें?

हेल्दी फैट से करें शुरुआतः गर्म पानी में 1 चम्मच घी डालकर पानी का सेवन करें। घी में मौजूद ब्यूटिरिक एसिड पेट की अंदरूनी परत की कोशिकाओं को सहारा देता है और गट बैरियर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है।

जीरा, धनिया और सौंफ की चायः सुबह एक गिलास पानी में जीरा, धनिया और सौंफ डालें और फिर पानी को पिएं। यह पानी पाचन एंजाइम को बढ़ाता है, ऐंठन कम करता है साथ ही यह शरीर से हानिकारक टॉक्सिंस बाहर निकालता है और मेटाबॉलिज्म तेज करता है।

नाश्ते के बाद पिएं चाय-कॉफी

डिंपल जांगड़ा कहती हैं कि आप कॉफ़ी या चाय का सेवन बेशक कर

सकते हैं बस खाली पेट न करें। नाश्ते के लगभग 45 मिनट बाद चाय या कॉफी पिएं, ताकि पेट में खाना हो और एसिड का असर कम हो सके। एक कप कॉफी में एक चम्मच घी, बादाम का मक्खन या नारियल का तेल मिलाने से पेट पर कैफीन का असर कम होता है। यानी आपको कॉफी छोड़नी नहीं है। बस खाली पेट इसे पीना बंद करना है।

गट हेल्थ के लिए डाइट में हेल्दी फैट करें शामिल

डिंपल जांगड़ा कहती हैं कि अपनी गट हेल्थ को बेहतर रखने के लिए कद्दू के बीज, अलसी, एवोकाडो, जैसे हेल्दी फैट्स का चुनाव करें, ये पूरे पेट में कोशिकाओं की झिल्ली को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। पेट की अंदरूनी परत को आराम देने के लिए एलोवेरा का भी इस्तेमाल किया जाता है। **(एजेंसी)।**

पाचन तंत्र के लिए वरदान है मेथी के दाने

मेथी दाने का इस्तेमाल अमुमन हर भारतीय रसोई में किया जाता है। इसका स्वाद थोड़ा कड़ना होता है लेकिन अपनी औषधि गुणों की वजह से ये काफी लोकप्रिय है।

नियमित रूप से इसका सेवन करने से कई तरह के फायदे मिलते हैं। खासकर सुबह इसका सेवन करना फायदे को और भी बढ़ा देता है। मेथी का छोटा सा दाना पोषक तत्वों का पावरहाउस है। इसमें विटामिन्स, मिनरल्स और फाइबर का बेहतरीन मिश्रण होता है।

ऐसे में यहां हम आपको बताने जा रहे हैं कि सुबह खाली पेट मेथी दाने का सेवन करने से क्या क्या फायदे मिल सकते हैं।

1. ब्लड शुगर कंट्रोल

मेथी में गैलेक्टोमैनन नामक फाइबर होता है, जो ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करता है। यह इंसुलिन के उत्पादन को बढ़ाने में मदद करता है, जिससे डायबिटीज के मरीजों को बहुत फायदा मिलता है।

2. वजन घटाने में मददगार

सुबह खाली पेट मेथी का पानी पीने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है।

इसमें मौजूद फाइबर आपकी भूख को कंट्रोल करता है, जिससे आप फालतू कैलोरी लेने से बच जाते हैं और वजन कम करना आसान हो जाता है।

3. पाचन तंत्र के लिए वरदान

अगर आपको कब्ज या एसिडिटी की समस्या रहती है, तो मेथी दाना आपके लिए रामबाण है। यह पाचन प्रक्रिया को सुधारता है और पेट की सूजन को कम करने में मदद करता है।

4. कोलेस्ट्रॉल और दिल की सेहत

मेथी दाना शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल (LDL) के स्तर को कम करता है। इसमें मौजूद पोटेशियम सोडियम के प्रभाव को नियंत्रित करता है, जिससे ब्लड प्रेशर और दिल की धड़कन सामान्य रहती है।

सेवन करने का सही तरीका

एक चम्मच मेथी दाना एक गिलास पानी में रात भर भिगोकर रख दें।

फिर सुबह इससे मेथी दाने को निकालें और चबाकर खाएं। **(एजेंसी)।**

रोज खाने के बाद 1 लौंग चबाने से क्या होता है?

हमारे घर की रसोई में कई ऐसी मसाले मौजूद हैं जो न केवल खाने का स्वाद बढ़ाते हैं बल्कि अपने औषधीय के लिए जाने जाते हैं। इन्हीं में से एक है लौंग। लौंग एक ऐसा मसाला है जो अपने तेज खुशबू और तीखे स्वाद के लिए जाना जाता है। इसका खाना बनाने में खूब इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि खाना खाने के बाद 1-2 लौंग चबाने से क्या होता है। छोटे से दिखने वाले लौंग सेहत का खजाना माना जाता है। इसे में शामिल करते हैं खाना खाने के बाद 1 लौंग चबाने से क्या क्या फायदे होते हैं।

1. पाचन में सुधार

खाने के बाद लौंग चबाने से लार का उत्पादन बढ़ता है। इससे मौजूद यूजेनॉल नामक तत्व पाचन एंजाइम्स को सक्रिय करता है, जिससे गैस और पेट फूलने की समस्या कम होती है। खाने को पचाने में मदद मिलती है। एसिडिटी से राहत मिलती है।

2. ओरल हेल्थ के लिए

लौंग में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं। यह मुंह के हानिकारक बैक्टीरिया को खत्म करता है। सांसों की दुर्गंध दूर होती है। इसके अलावा दांतों के दर्द और मसूड़ों की सूजन में मदद मिलती है।

3. ब्लड शुगर कंट्रोल

कुछ शोधों के अनुसार, लौंग इंसुलिन की कार्यक्षमता को बढ़ाने में मदद कर सकता है। खाने के बाद इसका सेवन करने से शुगर में अचानक बढ़ोतरी को रोकने में मदद मिल सकती है।

4. इम्यूनिटी बूस्टर

लौंग में विटामिन C और भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर को संक्रमण और बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं। **(एजेंसी)।**

पेट फूलना और लगातार दर्द को नजरअंदाज न करें, हो सकता है पेरिटोनियल कैंसर का लक्षण, ऐसे करें पहचान

कैंसर को लोग आमतौर पर शरीर में गांठ या ट्यूमर के रूप में जानते हैं। लेकिन कुछ कैंसर ऐसे भी हैं जो पेट के अंदर मौजूद अंगों को ढकने वाली पतली परत यानी पेरिटोनियम को प्रभावित करते हैं। इसे पेरिटोनियल कैंसर कहते हैं। कई मामलों में यह कैंसर खुद पेरिटोनियम से शुरू हो सकता है, जबकि कुछ केस में पेरिटोनियल कैंसर जैसी स्थिति किसी दूसरे कैंसर के पेट की अंदरूनी परत तक फैलने के कारण हो सकती है। पेट, आंत, अपेंडिक्स, अंडाशय और कुछ दूसरे कैंसर पेरिटोनियम तक फैल सकते हैं। डॉक्टर अरुण कुमार गोयल (चेयरमैन, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, एंड्रोमेडा कैंसर हॉस्पिटल, सोनीपत) से जानते हैं इसके लक्षण क्या हैं और इससे कैसे बचा जा सकता है?

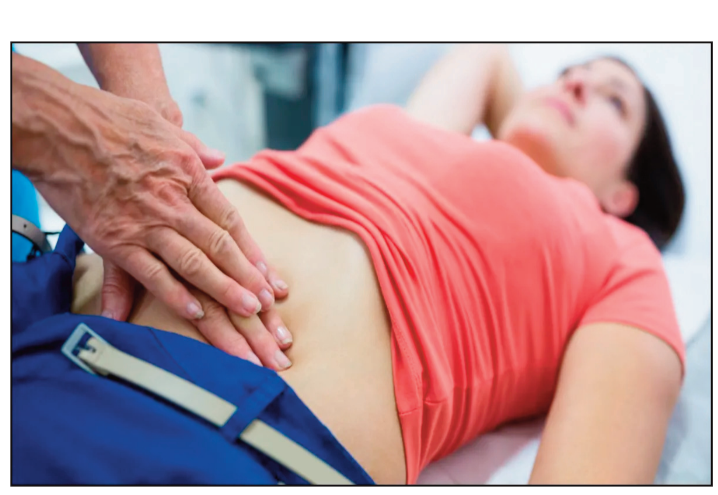

पेरिटोनियम क्या है?

पेरिटोनियम पेट की अंदरूनी दीवार और पेट के ज्यादातर अंगों को ढकने वाली एक पतली झिल्ली है। जब कैंसर कोशिकाएं इस सतह पर फैलकर कई जगह छोटी-बड़ी गांठें बनाने लगती हैं, तो इसे पेरिटोनियल कार्सिनोमैटोसिस कहा जाता है। ये किसी बीमारी के काफी एडवांस स्टेज के लक्षण हो सकते हैं।

शुरुआत में लक्षण क्यों पकड़ में नहीं आते?

पेरिटोनियल कैंसर की सबसे बड़ी चुनौती ये है कि इसके शुरुआती लक्षण पेट की आम समस्याओं के जैसे लगते हैं। जिसमें पेट फूलना, गैस, अपच या कब्ज जैसी शिकायतें हो सकती हैं। इन लक्षणों को लोग लंबे समय तक नजरअंदाज करते रहते हैं। यही वजह है कि लगातार बने रहने वाले या धीरे-धीरे बढ़ते लक्षणों को हल्के में नहीं लेना चाहिए।

पेरिटोनियल कैंसर के लक्षण

लगातार पेट फूलने की समस्या
पेट में दर्द और भारीपन महसूस होना
बहुत कम खाने पर ही पेट भर जाना
भूख की कमी और पेट भारी रहना
बिना कोशिश किए वजन कम होना
लगातार थकान और कमजोरी रहना
मतली या उल्टी आने का मन करना
कब्ज या दस्त जैसी समस्याएं रहना
पेट में पानी भरना यानी एसाइटिस
बीमारी बढ़ने पर आंत में रुकावट
खाने या गैस पास करने में परेशानी

पेरिटोनियल कैंसर कितनी तेजी से फैल सकता है?

पेरिटोनियल कैंसर कितनी तेजी से फैल सकता है ये कैंसर के टाइप और उसके नेचर पर निर्भर करता है, जिससे वह पैदा हुआ है। कई बार ये बहुत धीरे बढ़ते हैं तो कई बार काफी अधिक आक्रामक भी हो सकते हैं। जब कैंसर पेट की गुहा में फैलता है, तो वह पेरिटोनियम की अलग-अलग सतहों पर जमा होकर आंत, पेट, लिवर की सतह और दूसरे आसपास के अंगों को प्रभावित कर सकता है। इसके अलावा लंबे समय में ट्यूमर बढ़ने से पेट में पानी जमा हो सकता है और आंतों पर दबाव पड़ने से बॉवेल ऑब्स्ट्रक्शन जैसी गंभीर समस्या भी हो सकती है।

क्या यह बहुत खतरनाक है?

पेरिटोनियम तक कैंसर का फैलना निश्चित रूप से गंभीर स्थिति है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हर मरीज के लिए इलाज खत्म हो चुका है। बीमारी कैसी है, कैंसर कितना फैला है, मरीज की उम्र और सेहत के अलावा ट्यूमर को सर्जरी से कितना हटाया जा सकता है जैसी बातों पर निर्भर करता है।

इन संकेतों पर तुरंत ध्यान दें

अगर लगातार पेट फूलता रहता है, बार-बार पेट में दर्द या भारीपन महसूस होता है, भूख कम हो रही है, बिना कारण वजन कम हो रहा है, पेट में पानी जमा हो रहा है तो इसे सिर्फ गैस या पाचन समस्या मानकर लंबे समय तक टालना ठीक नहीं है। खासकर ऐसे लोगों को जिनका पहले से पेट, आंत, अपेंडिक्स या महिला प्रजनन अंगों से संबंधित कैंसर का इलाज हो चुका है। ऐसे लोगों में पेट के इन लक्षणों पर तुरंत ध्यान देना चाहिए।

पेरिटोनियल कैंसर का इलाज

पेरिटोनियल कैंसर का इलाज चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन आज कैंसर सर्जरी, कीमोथेरेपी और चयनित मरीजों में CRS-HIPEC जैसी तकनीकों ने उपचार के विकल्पों को पहले की तुलना में काफी बढ़ा दिया है। सबसे जरूरी है बीमारी की सही पहचान, सही स्टेजिंग और अनुभवी डॉक्टर की समय पर दी जाने वाली सलाह। **(एजेंसी)।**

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

गुरुवार 17 सितंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

अस्थायी पटाखा दुकान के लायसेंस हेतु आवेदन 5 अक्टूबर तक

बिलासपुर। दीपावली पर्व वर्ष 2026 के अवसर पर अस्थायी पटाखा दुकानों के लिए नवीन लायसेंस जारी करने तथा पूर्व से जारी लायसेंसो के नवीनीकरण के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन करने की अंतिम तिथि 5 अक्टूबर 2026 तक है। इच्छुक आवेदक अस्थायी पटाखा दुकान के नवीन लायसेंस हेतु आवेदन तथा पूर्व से जारी लायसेंस के नवीनीकरण हेतु आवेदन पत्र निर्धारित प्रपत्र में आवश्यक दस्तावेजों सहित कार्यालय अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी में 5 अक्टूबर 2026 तक प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अंतिम तिथि के बाद प्राप्त होने वाले आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

दिशा की बैठक 18 को

राजनांदगांव । सांसद श्री संतोष पाण्डेय की अध्यक्षता में 18 सितम्बर 2026 को अपरान्ह 12 बजे कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित की गई है। बैठक में संबंधितों को उपस्थित होने कहा गया है एवं अधिकारियों को आवश्यक जानकारी सहित बैठक में उपस्थित होने कहा गया है।

27 लीटर महुआ शराब जब्त

महासमुंद। अवैध महुआ शराब के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। पिथौरा थाना और भंवरपुर चौकी क्षेत्र में पुलिस ने दो अलग-अलग ठिकानों पर दबिश देकर 27 लीटर हाथभट्ठी महुआ शराब जब्त की। जब्त शराब की कुल कीमत करीब 5 हजार 400 रुपए बताई गई है। दोनों मामलों में एक महिला समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। पिथौरा पुलिस को 13 सितंबर को सूचना मिली थी कि ग्राम ठाकुरदिया खुर्द निवासी हीरालाल सिन्हा (46) अपने घर-बाड़ी में अवैध महुआ शराब छिपाकर रखे हुए है। सूचना की तस्दीक के बाद पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी।

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग का आयोजन

नवा रायपुर में राज्य निर्वाचन आयुक्तों के 32वें अखिल भारतीय सम्मेलन का राज्यपाल ने किया शुभारंभ

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह ने बताया कि हर वर्ष अलग-अलग राज्यों में होने वाले राज्य निर्वाचन आयुक्तगणों के सम्मेलन के क्रम में 32वां सम्मेलन इस वर्ष 16-17 सितम्बर को छत्तीसगढ़ की राजधानी नवा रायपुर अटल नगर में हो रहा है। इस सम्मेलन का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा किया जा रहा है।

सम्मेलन का शुभारंभ आज माननीय राज्यपाल द्वारा किया गया। सम्मेलन के शुभारंभ अवसर पर मेजबान छत्तीसगढ़ के निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह, राज्य निर्वाचन आयुक्तगण की स्थाई समिति के अध्यक्ष श्री विजय देव एवं संयोजक श्री सुधांशु पांडे तथा प्रदेश के मुख्य सचिव श्री विकासशील उपस्थित रहे।

शुभारंभ सहारोह के इस विशेष अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका ने छत्तीसगढ़ स्थानीय निकाय निर्वाचन वार्षिकी 2026 Year Book के प्रथम संस्करण का विमोचन भी किया।

उद्घाटन उपरांत आज सम्मेलन में देशभर से विभिन्न राज्यों के पधारे राज्य निर्वाचन आयुक्तगण ने स्थानीय लोकतंत्र विशेषकर त्रिस्तरीय पंचायतों व नगरीय निकायों को और अधिक सशक्त, पारदर्शी, समावेशी, विश्वसनीय एवं सहभागी बनाने हेतु निर्वाचन के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया एवं कॉन्फ्रेंस में अलग-अलग राज्यों के राज्य निर्वाचन आयुक्तगण और विषय-विशेषज्ञों के द्वारा प्रस्तुतीकरण दिया ।

सम्मेलन के दौरान राज्य निर्वाचन आयुक्तगण द्वारा स्थानीय निकाय निर्वाचन के संचालन में सामने आने वाली चुनौतियों, अनुभवों और नवाचारों को साझा करने के क्रम में छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा "राज्य गठन उपरांत नक्सल प्रभावित बस्तर में पिछले 25 वर्षों में स्थानीय लोकतंत्र की प्रगति" विषय पर छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह के निर्देशन में तैयार प्रस्तुति आयोग की सचिव श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी द्वारा प्रस्तुत की गई। बस्तर में स्थानीय लोकतंत्र की यात्रा को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। भौगोलिक दुर्गमता, विस्तृत वन क्षेत्र, सीमित संचार सुविधाओं तथा लंबे समय तक वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित बस्तर संभाग की परिस्थितियों के बीच स्थानीय निर्वाचन कराना एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक एवं लोकतांत्रिक चुनौती रहा है। छत्तीसगढ़ में स्थानीय निकायों के निर्वाचन के अनुभवों को साझा करते हुए बताया गया कि प्रशासन, पुलिस, सुरक्षा बल, निर्वाचन कर्मियों तथा स्थानीय समुदाय के समन्वित प्रयासों से लोकतांत्रिक प्रक्रिया को निरंतर सुदृढ़ किया गया है। वर्ष 2025 में नगरीय निकायों एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के निर्वाचन एक साथ राज्यभर में, बस्तर संभाग सहित, शांतिपूर्वक एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराने तथा पुनर्मतदान की आवश्यकता न पड़ने का उल्लेख किया गया।

लोरमी में आज होगा 'स्नेहा सेवा एवं सम्मान समारोह'

उपमुख्यमंत्री अरुण साव करेंगे निराश्रितजनों का सम्मान एवं मोदी जी के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन के लिए हवन पूजा कार्यक्रम में सहभागिता

लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर को देशभर में प्रारंभ हो रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत लोरमी में विभिन्न सेवा एवं जनहित से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी क्रम में लोरमी प्रवास पर पहुंच रहे छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव की उपस्थिति में 'स्नेहा सेवा एवं सम्मान समारोह' का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम का आयोजन मानस मंच में किया जाएगा, जिसमें निराश्रितजनों के

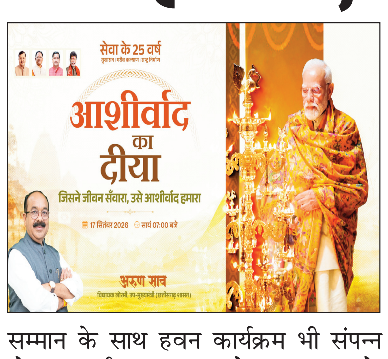

सम्मान के साथ हवन कार्यक्रम भी संपन्न होगा। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद एवं निराश्रित वर्ग के प्रति संवेदनशीलता, सेवा और सम्मान की भावना को मजबूत करना है।

इसके पश्चात उपमुख्यमंत्री अरुण साव शिवघाट पहुंचेंगे, जहां स्वीकृत सौंदर्यीकरण कार्य के प्रारंभ हेतु विधिवत पूजा-अर्चना एवं भूमिपूजन किया जाएगा। शिवघाट के सौंदर्यीकरण से क्षेत्र के धार्मिक एवं पर्यटन महत्व को और बेहतर स्वरूप प्रदान करने की दिशा में कार्य प्रारंभ होगा।

उल्लेखनीय है कि सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक जनभागीदारी और जनसेवा की भावना के साथ आयोजित किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने अभियान को व्यापक जनभागीदारी से संचालित करने पर जोर दिया है। लोरमी में आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों के माध्यम से सेवा, सम्मान और जनकल्याण की भावना को सशक्त करने के साथ क्षेत्र के विकास कार्यों को भी गति प्रदान करने का प्रयास किया जाएगा। इसके पश्चात शाम 7 बजे लोरमी विधानसभा में टोटल 1 लाख 11 हजार दीया जलाएंगे , 11 हजार दीया व्यवहार न्यायालय के सामने जलाएंगे, 1100 दीया अटल परिसर में जलाया जाएगा।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने किया जशपुर का दो दिवसीय दौरा

जशपुरनगर। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, छत्तीसगढ़ रायपुर के अरूण पाण्डेय द्वारा 15 एवं 16 सितम्बर 2026 को जशपुर वनमण्डल का प्रवास किया गया। प्रवास के दौरान उन्होंने वन एवं वन्यजीव संरक्षण, क्षेत्रीय गतिविधियों तथा प्रस्तावित वनांचल विज्ञान केन्द्र के निर्माण से संबंधित कार्यों का निरीक्षण कर अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ विस्तृत चर्चा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये। 15 सितम्बर 2026 को प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख अरूण पाण्डेय द्वारा तपकरा वन परिक्षेत्र का भ्रमण किया गया। इस दौरान तपकरा परिक्षेत्र के अधिकारी एवं कर्मचारियों की बैठक लेकर क्षेत्र में संचालित वन संरक्षण, वन्यजीव प्रबंधन एवं अन्य विभागीय कार्यों की जानकारी ली गई।

बैठक में उन्होंने मैदानी स्तर पर वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सतत निगरानी रखने, वन्यजीवों की गतिविधियों पर नजर रखने तथा स्थानीय समुदाय के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य करने के निर्देश दिये।

उन्होंने विभागीय योजनाओं एवं कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्वक पूर्ण करने तथा शासन की मंशा के अनुरूप कार्यों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

इसके पश्चात प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख द्वारा सन्ना वन परिक्षेत्र अंतर्गत पण्ड्रापाठ का निरीक्षण किया गया। यहां उन्होंने क्षेत्रीय परिस्थितियों एवं वन विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों का जायजा लिया तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठक लेकर विभागीय कार्यों की समीक्षा की।

महतारी वंदन योजना से महिलाओं को मिल रहा आर्थिक संबल

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित जनकल्याणकारी महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। योजना के माध्यम से मिलने वाली आर्थिक सहायता से महिलाएं अपनी रोजमर्रा की जरूरतों और घरेलू खर्चों को पूरा करने में सक्षम हो रही हैं।

जशपुर की रहने वाली मेरा सिंह बताती हैं कि पति और बच्चों के न होने के बावजूद मुख्यमंत्री विष्णु देव साय महिलाओं का अपने परिवार की तरह ध्यान रख रहे हैं। महतारी वंदन योजना के तहत उन्हें हर माह मिलने वाली 1 हजार रुपये की सहायता राशि से वे अपने घर-खर्च और आवश्यक जरूरतों को पूरा करती हैं।

मेरा सिंह कहती हैं, "आज मैं अपने पैरों पर खड़ी हूं और अपनी जरूरतें खुद पूरी कर पा रही हूं। महतारी वंदन योजना से मुझे आर्थिक सहारा मिला है। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी का हृदय से आभार व्यक्त करती हूं।"

सेवा संकल्प अभियान : पुलिस परेड मैदान में सवा लाख दीयों से जगमगाएगा बिलासपुर

समाज के विभिन्न वर्गों के लिए 45 सेक्टर में की गई व्यवस्था, तैयारियां पूर्ण

बिलासपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सेवा संकल्प अभियान के तहत कल 17 सितंबर को बिलासपुर के पुलिस परेड मैदान में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान शाम 7 बजे

सवा लाख दीए एक साथ प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। आयोजन को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। सवा लाख दीपों के इस भव्य आयोजन में समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित की गई है। इसके लिए पूरे आयोजन स्थल को 45 सेक्टरों में विभाजित कर दीप प्रज्ज्वलन की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक सेक्टर के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। दीप, तेल और बाती सहित आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग के आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, जिला पंचायत, नगर निगम के सभी 8 जोन, स्वास्थ्य विभाग, आदिवासी विकास विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, पुलिस विभाग, सहकारी बैंक, खाद्य विभाग तथा पीएम स्वनिधि योजना के हितग्राही शामिल होंगे। इसके साथ ही शिक्षक, छात्र-छात्राएं, एनएसएस, एनसीसी एवं स्काउट, वीआईपी, एनजीओ, नगर निगम के जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन और आम नागरिकों के लिए भी अलग-अलग सेक्टर निर्धारित किए गए हैं।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी सीसी रोड ! निर्माण के 18 दिन में ही जगह-जगह दरारें, साइड शोल्डर न बनने से ग्रामीणों में आक्रोश

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। प्रधानमंत्री सड़क योजना के अंतर्गत कोलेगांव से हथमुड़ी मार्ग से जुड़ी ग्राम पंचायत पेंड्रीकला की बस्ती अंदर में बन रही सीसी सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में निर्धारित मापदंडों की अनदेखी की जा रही है। सड़क निर्माण पूरा होने के महज 1 8 दिनों के भीतर ही जगह-जगह दरारें पड़ने लगी हैं। सड़क की हालत देखकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि यदि निर्माण कार्य की शुरुआत में ही गुणवत्ता की निगरानी की गई होती, तो आज यह स्थिति निर्मित नहीं होती।

निर्धारित मोटाई को लेकर उठे सवाल

ग्रामीणों के अनुसार, सीसी सड़क की ढलाई कहीं 2 से 3 इंच तो कहीं लगभग 4 इंच तक की जा रही है। उनका आरोप है कि सड़क की मोटाई निर्धारित तकनीकी मापदंडों के अनुरूप नहीं है। हालांकि, सड़क की वास्तविक मोटाई और स्वीकृत मानक की पुष्टि तकनीकी जांच के बाद ही हो सकेगी। ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग गांव के आवागमन के लिए महत्वपूर्ण है। इसके बावजूद निर्माण कार्य में कथित अनियमितताओं पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया। अब सड़क में दरारें दिखाई देने से ग्रामीणों को भविष्य में आवागमन प्रभावित होने की चिंता सताने लगी है।

गुणवत्ता पर सवाल

पेंड्रीकला की बस्ती के भीतर बन रही सीसी सड़क पर जगह-जगह दरारें दिखाई देने का दावा ग्रामीणों ने किया है। उनका कहना है कि सड़क निर्माण में उपयोग की गई सामग्री की गुणवत्ता, सीमेंट-रेत-गिट्टी के अनुपात और कंक्रीट की पर्याप्त तराई (क्योरिंग) को लेकर गंभीर लापरवाही बरती गई है। ग्रामीणों के मुताबिक, सड़क निर्माण के बाद इतनी जल्दी दरारें पड़ना चिंता का विषय है। यदि समय रहते इसकी जांच नहीं कराई गई, तो बारिश और लगातार वाहनों के आवागमन के कारण सड़क की स्थिति और खराब हो सकती है। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता की स्वतंत्र तकनीकी जांच कराने की मांग की है।

साइड शोल्डर नहीं बनने से बढ़ा दुर्घटनाओं का खतरा

सड़क निर्माण के साथ दोनों ओर साइड शोल्डर यानी मिट्टी या मुरुम की पटरी का निर्माण नहीं होने की शिकायत भी सामने आई है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क के किनारे ऊंचे और असमतल हो गए हैं। इससे दोपहिया वाहन चालकों को सड़क से नीचे उतरते समय परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

रात के समय पर्याप्त रोशनी नहीं होने पर यह समस्या और गंभीर हो सकती है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से मांग की है कि सड़क के दोनों ओर आवश्यक साइड शोल्डर का निर्माण कराया जाए, ताकि आवागमन सुरक्षित हो सके।

ठेकेदार और संबंधित एजेंसी की भूमिका पर उठे सवाल

निर्माण कार्य की निगरानी और गुणवत्ता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी संबंधित ठेकेदार तथा विभागीय तकनीकी अधिकारियों की होती है। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क निर्माण के दौरान निगरानी में लापरवाही बरती गई। उनका कहना है कि यदि समय-समय पर सड़क की मोटाई, सामग्री और निर्माण प्रक्रिया की जांच की जाती, तो कथित खामियों को शुरुआत में ही दूर किया जा सकता था।

हालांकि, सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार हुआ है या नहीं, इसकी पुष्टि स्वतंत्र तकनीकी जांच, माप पुस्तिका, गुणवत्ता परीक्षण और विभागीय अभिलेखों की जांच के बाद ही हो सकेगी। ग्रामीणों ने इसी कारण पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

ग्रामीणों ने दी चक्काजाम और आंदोलन की चेतावनी

सड़क की स्थिति से नाराज ग्रामीण बलराम चंद्राकर, राजेश चंद्राकर, शिवा तिवारी, विजय चंद्राकर, जय चंद्राकर, बसंत कुंभकार, विनोद कश्यप, राजेंद्र सहित अन्य ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि सार्वजनिक धन से बन रही सड़क का निर्माण यदि निर्धारित गुणवत्ता के अनुरूप नहीं होता है, तो इसका सीधा नुकसान आम जनता को उठाना पड़ता है।

ग्रामीणों ने मांग रखी है कि: सीसी सड़क की मोटाई और निर्माण गुणवत्ता की उच्चस्तरीय तकनीकी जांच कराई जाए। सड़क में पड़ी दरारों के कारणों का पता लगाकर दोषियों की जिम्मेदारी तय की जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जिला प्रशासन और संबंधित विभाग ने जल्द ही मामले का संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई नहीं की, तो वे चक्काजाम और आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

इस संबंध में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के एसडीओ गौरव त्यागी ने कहा कि शिकायते मिली है। जिस सड़क पर कार्य चल रहा है वह गारेंटी परेड में है सुधार का कार्य करवा दिया जायेगा।

साम्राज्य रेसीडेंसी में हाथी के साक्षात स्वरूप में विराजे प्रथम पूज्य गजानन

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राजधानी रायपुर में गणेशोत्सव की धूम है। इसी क्रम में साम्राज्य रेसीडेंसी, रायपुर में इस वर्ष गणपति बप्पा का एक अत्यंत दुर्लभ और अलौकिक स्वरूप स्थापित किया गया है, जो पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

यहाँ प्रथम पूज्य भगवान गणेश साक्षात हाथी के स्वरूप में विराजमान हैं। आमतौर पर मूर्तियों में कलात्मक रूप देखा जाता है, परंतु यहाँ बप्पा का विग्रह बिल्कुल जीवंत हाथी के समान प्रतीत होता है। विशाल मस्तक, लंबी सूंड, बड़े कान और शांत व करुणामयी आँखें, भगवा संत-वस्त्र, माथे पर चंदन का त्रिपुंड और हाथ पर बना पवित्र 'ॐ' इस स्वरूप को और भी दिव्य बना रहा है। ध्यान मुद्रा में विराजे गजानन को देखकर ऐसा लगता है मानो स्वयं गजानन साक्षात धरती पर उतर आए हों।

पंडाल को आकर्षक फूलों, रोशनी और पारंपरिक सजावट से भव्य रूप दिया गया है। शाम होते ही विद्युत सज्जा से पंडाल की शोभा देखते ही बनती है।

समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष हमारा उद्देश्य भक्तों को बप्पा के आदि और वास्तविक स्वरूप के दर्शन कराना था। इसलिए इस बार हाथी के साक्षात स्वरूप को चुना गया। यह स्वरूप हमें सिखाता है कि बुद्धि के साथ-साथ विशाल हृदय और शांत चित्त भी होना चाहिए।

गणेशोत्सव के दौरान प्रतिदिन सुबह 9 बजे और शाम 8 बजे महाआरती, उसके पश्चात महाप्रसाद वितरण, तथा रात्रि में भजन-कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है।

साम्राज्य रेसीडेंसी गणेश उत्सव समिति ने रायपुर के सभी धर्मप्रेमी नागरिकों, पत्रकार बंधुओं एवं श्रद्धालुओं से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में पधार कर बप्पा के इस दुर्लभ हाथी-स्वरूप के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित करें।

सभी सहयोगियों के विचार:

राहुल: बप्पा का यह हाथी-स्वरूप बहुत ही दिव्य है। हमारा प्रयास है कि हर भक्त को साक्षात दर्शन का अनुभव हो।

दर्शील: इस बार हमने कुछ अलग करने की सोची थी। साक्षात हाथी स्वरूप देखकर सारी मेहनत सफल लग रही है।

प्रिया गुप्ता :-गणपति बप्पा के इस रूप में शांति और शक्ति दोनों हैं। सभी कॉलोनीवासियों ने दिल से सहयोग किया है।

ज्योति अग्रवाल : बप्पा के दरबार में आकर मन को बहुत शांति मिल रही है। यह स्वरूप सच में मनोकामना पूरी करने वाला है।

सोनल: पंडाल की सजावट और बप्पा का भगवा स्वरूप देखकर बहुत आनंद आ रहा है। सभी महिलाएं उत्साह से जुड़ी हैं।

भाविन : यह सिर्फ मूर्ति नहीं, साक्षात गजानन की अनुभूति है। हम चाहते हैं पूरा रायपुर दर्शन को आए।

ऋषि : बचपन से गणेश उत्सव देख रहा हूँ, पर ऐसा जीवंत स्वरूप पहली बार देखा। समिति को बहुत-बहुत बधाई।

शौर्य मिश्रा : बप्पा सबके विघ्न हरते हैं। इस आयोजन में सेवा करने का मौका मिला, यह हमारा सौभाग्य है।

शिवम : हम सभी दोस्तों ने मिलकर इस स्वरूप को स्थापित किया है। जो गजानन का वास्तविक स्वरूप है

निखिल बप्पा हाथी के स्वरूप में एक साधु संत के रूप में विराजमान है आप सभी आइए और बप्पा का आशीर्वाद लीजिए।

ब्रिक्स शक्ति-संघर्ष का अखाड़ा नहीं, सहयोग का सेतु बने

ललित गर्ग ।

भारत किसी नई साझा ब्रिक्स मुद्रा के निर्माण की जल्दबाजी में नहीं है। इसके बजाय सीमा-पार डिजिटल भुगतान की ऐसी व्यवस्था विकसित करने पर जोर है, जिससे सदस्य देश अपनी-अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं में अपेक्षाकृत सुगम व्यापार कर सकें। यह दृष्टिकोण अमेरिकी डॉलर के खिलाफ किसी राजनीतिक मोचेबंदी से अधिक वित्तीय स्वायत्तता और लेन-देन की सुविधा का प्रयास है। परंतु ब्रिक्स की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी आंतरिक विविधता और मतभेद हैं। भारत और चीन के बीच सीमा एवं रणनीतिक अविश्वास की विरासत अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। रूस और पश्चिम के बीच संघर्ष, ईरान से जुड़े तनाव तथा पश्चिम एशिया की जटिल परिस्थितियां भी ब्रिक्स के लिए साझा राजनीतिक रुख बनाना कठिन बनाती हैं। विशेष रूप से पश्चिम एशिया के मौजूदा संकट में ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के अलग-अलग हित हैं। ऐसे में ब्रिक्स यदि हर अंतरराष्ट्रीय मुद्दे पर एकमत नहीं हो पाता तो यह उसकी सीमाओं को उजागर करेगा। आज विश्व अर्थव्यवस्था में जिन देशों का योगदान बढ़ा है, यदि उन्हें निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिलता तो संस्थाओं की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता दोनों प्रभावित होती हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है। एआई ने चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, वित्त और शासन के क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाएं खोली हैं, लेकिन इसके साथ रोजगार, डेटा सुरक्षा, गलत सूचना, साइबर सुरक्षा और तकनीकी असमानता के खतरे भी बढ़े हैं।नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को होने वाला 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब विश्व व्यवस्था गहरे संक्रमण से गुजर रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का तनाव, आतंकवाद, व्यापारिक टकराव, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा की चिंता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की तेज होती चुनौती और वैश्विक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर उठते प्रश्नों ने दुनिया के सामने अनेक अनुत्तरित सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके साथ ही अमेरिका की व्यापार एवं रणनीतिक नीतियों से पैदा हो रहा दबाव भी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। ऐसे वातावरण में भारत की अध्यक्षता में होने वाला यह सम्मेलन केवल एक कूटनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत ने अपनी अध्यक्षता का मूल मंत्र रखा है-लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के आधार पर भविष्य का निर्माण। ब्रिक्स अब 2006 में आरंभ हुई उस मूल अवधारणा से बहुत आगे निकल चुका है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत और चीन प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं के रूप में सामने आए थे और बाद में दक्षिण अफ्रीका भी इसमें शामिल हुआ। विस्तार के बाद यह 11 सदस्यीय समूह बन चुका है और इसका प्रभाव वैश्विक दक्षिण की राजनीति और अर्थव्यवस्था में लगातार बढ़ा है। वर्ष 2026 ब्रिक्स की स्थापना के दो दशक पूरे होने का वर्ष भी है। भारत के लिए यह अध्यक्षता इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि वह ब्रिक्स को किसी पश्चिम-विरोधी या अमेरिका-विरोधी मंच के रूप में नहीं, बल्कि विकासशील एवं उभरती अर्थव्यवस्थाओं की रचनात्मक, संतुलित और बहुपक्षीय आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है। नएस्थान तलाशेंब्राजील में 2025 के ब्रिक्स सम्मेलन में वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत करने, बहुपक्षीय व्यवस्था में सुधार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार वैश्विक शासन, जलवायु वित्त, स्वास्थ्य, व्यापार और वित्तीय सहयोग जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण सहमति बनी थी। रियो घोषणा में संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाने और वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया था। साथ ही स्थानीय मुद्राओं में वित्तीय लेन-देन, सीमा-पार भुगतान व्यवस्था और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने की दिशा में भी आगे बढ़ने की बात कही गई थी। भारत को 2026 की अध्यक्षता सौंपते हुए ब्राजील ने नई दिल्ली से इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अपेक्षा व्यक्त की थी। इस दृष्टि से दिल्ली सम्मेलन की पहली बड़ी कसौटी यही होगी कि ब्रिक्स घोषणाओं और वास्तविक उपलब्धियों के बीच की दूरी कितनी कम कर पाता है। भारत ने अध्यक्षता के दौरान 25 से अधिक शहरों में 350 से अधिक बैठकें और उच्चस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए हैं। राजनीतिक एवं सुरक्षा सहयोग, आर्थिक एवं वित्तीय सहयोग तथा सांस्कृतिक एवं जन-जन संपर्क-इन तीनों क्षेत्रों में व्यावहारिक परिणामों पर जोर दिया गया है। इसलिए अब दुनिया की नजर इस बात पर होगी कि सम्मेलन के अंत में केवल लंबा संयुक्त घोषणापत्र सामने आता है या कुछ ऐसे ठोस फैसले भी होते हैं जिनका असर आने वाले वर्षों में दिखाई दे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है। एआई ने चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, वित्त और शासन के क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाएं खोली हैं, लेकिन इसके साथ रोजगार, डेटा सुरक्षा, गलत सूचना, साइबर सुरक्षा और तकनीकी असमानता के खतरे भी बढ़े हैं। ब्राजील सम्मेलन में भी एआई के वैश्विक शासन को लेकर व्यापक चिंता व्यक्त की गई थी। भारत अब ब्रिक्स देशों के बीच एआई, उन्नत कंप्यूटिंग, क्वांटम तकनीक और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की दिशा में जोर दे रहा है। यदि ब्रिक्स तकनीक को कुछ शक्तिशाली देशों और कंपनियों के नियंत्रण से बाहर निकालकर विकासशील देशों की पहुंच तक ले जाने की प्रभावी व्यवस्था बना सके, तो यह उसकी बड़ी उपलब्धि होगी। दूसरी बड़ी चुनौती आर्थिक है। विश्व अर्थव्यवस्था में ब्रिक्स का वजन बढ़ रहा है, लेकिन समूह के भीतर आपसी व्यापार अभी भी उसकी संभावित क्षमता के अनुरूप नहीं है। भारत आपूर्ति शृंखलाओं को अधिक मजबूत और विविध बनाने, छोटे एवं मध्यम उद्योगों को वित्त उपलब्ध कराने तथा स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है। जयपुर में हुई ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक में ब्रिक्स इकनोमिक पार्टनरशिप 2030, एमएसएमई के लिए वित्तीय सुविधा और अधिक संतुलित व्यापार जैसे मुद्दों पर प्रगति हुई है।

यही कारण है कि भारत के सामने इस सम्मेलन में सबसे कठिन कूटनीतिक संतुलन है। उसे चीन और रूस के साथ सहयोग भी बढ़ाना है, लेकिन अमेरिका और यूरोप सहित पश्चिमी देशों से अपने आर्थिक एवं रणनीतिक संबंध भी बनाए रखने हैं। भारत का हित किसी एक शक्ति-ध्रुव के साथ खड़े होने में नहीं, बल्कि बहुध्रुवीय विश्व में अपनी रणनीतिक स्वायत्तता मजबूत करने में है।

:- संपादकीय :-

सोनिया का इनकार काबिल-ए-तारीफ निर्णय

सोनिया गांधी अपने अनुभव सुनाना चाहती हैं, तो आखिर उसका अवसर उन्हें क्यों नहीं मिलना चाहिए? अगर उनकी टिप्पणियां पूर्वाग्रह भरी हुईं, तो उनसे आहत पक्ष के पास जवाब देने का पूरा अवसर मौजूद रहेगा।कहने को तो भारत लोकतंत्र है, लेकिन यहां विपक्ष के सर्व-प्रमुख नेताओं तक को अपनी कहानी बताने की आजादी नहीं है! सोनिया गांधी नरेंद्र मोदी या आरएसएस के बारे में अपने अनुभव या अपनी राय सुनाना चाहती हैं, तो आखिर उसका अवसर उन्हें क्यों नहीं मिलना चाहिए? भारत- चीन संबंध से जुड़ी किसी घटना पर उनकी राय को देश के सामने आने से क्यों रोका जाना चाहिए? अगर उनकी टिप्पणियां पूर्वाग्रह भरी होंगी या उनसे कोई गलतबयानी सामने आएगी, तो उससे आहत व्यक्ति या पक्ष के पास जवाब देने का अवसर तो मौजूद ही रहेगा। एक बार एक फिल्म पर प्रतिबंध से संबंधित याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि असहमत व्यक्ति फिल्म ना देखने या अभिव्यक्ति के अपने माध्यम से उसका जवाब देने के लिए स्वतंत्र हैं। लेकिन लोकतंत्र में कलाकृति या वैचारिक अभिव्यक्ति पर प्रतिबंध का कोई औचित्य नहीं है।लेकिन ये उस दौर की बात है, जब प्रतिबंध सरकार का विशेषाधिकार समझा जाता था। तब परोक्ष दबाव या सामाजिक ट्रोलिंग के जरिए अघोषित प्रतिबंध का चलन नहीं था। ताजा मामले में प्रत्यक्ष रूप से सरकार कहीं मौजूद नहीं है। मगर देश के मौजूदा सियासी माहौल का गहरा साया इस पर साफ देखा जा सकता है। सोनिया गांधी की आत्म-कथा- 'बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लवइ को जो प्रकाशक अमेरिका में छाप रहा है, खबरों के मुताबिक उससे ही जुड़े भारतीय प्रकाशक ने भारत में इसे जारी करने से इनकार कर दिया है।बताया जाता है कि भारतीय संस्करण में सोनिया गांधी से कुछ हिस्सों को हटाने को कहा गया, जिससे उन्होंने मना कर दिया। गुजरे सवा दशक में उसी प्रकाशक ने भारत में कई किताबों को इसीलिए नहीं प्रकाशित किया, क्योंकि उससे सत्ता या अन्य शक्तिशाली पक्षों के नाराज होने का अंदेशा था। जबकि कुछ लेखकों ने प्रकाशकों के दबाव में आपत्तिजनक हिस्से हटा कर किताब छपवा लेना बेहतर समझा। ऐसा करने से सोनिया गांधी का इनकार काबिल-ए-तारीफ निर्णय है। मगर इस घटनाक्रम ने भारत में अभिव्यक्ति के सिकुड़ते दायरे को जग-जाहिर कर दिया है, जिससे लोकतंत्र की स्थिति पर उठे सवाल और संगीन हो गए हैं।

राशिफल

मेष राशिः मेष राशि वालों आज आपका दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। आज आपको व्यापारिक लाभ कमाने का बेहतरीन अवसर प्राप्त होगा, आपके आय के नए स्त्रोत बनेंगे, आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज ऑफिस में थोड़ा ज्यादा काम रहेगा, जिसकी वजह से आपको शारीरिक थकान हो सकती हैं।

वृषभ राशिः वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप कारोबार से जुड़े मामलों पर ध्यान देंगे और उसे आगे बढ़ाने में किसी की मदद लेंगे। आज आपको उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर पॉजीटिव रिस्पॉन्स मिलेगा।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए मिला जुला रहने वाला है। आज आप कार्यक्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे, जिसमें कलीग का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। आज आप कंस्ट्रक्शन से जुड़े कार्यों में किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह ले सकते हैं, जिससे आपका काम अच्छा और आसानी से हो जायेगा।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको रोजगार के तमाम बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे और आपकी आय के नए स्त्रोत भी बनेंगे, जिससे आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज प्रोजेक्ट कार्य में आपको अपने जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, जो आगे सफलता के लिए मददगार साबित होगा।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। आज आप अपने सहकर्मियों के साथ मित्रवत व्यवहार करें, तो आने वाले समय में वो आपका अच्छा लाभ करायेंगे। अगर आप अपने खर्चो पर नियंत्रण बनाए रखेंगे तो धीरे-धीरे आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आज आप किसी नए काम की शुरूआत करना चाह रहे हैं, त

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप पेंडिंग वर्क निपटाने के लिए किसी करीबी की मदद ले सकते हैं। आज आप परिवार के सदस्यों के साथ किसी धार्मिक यात्रा पर जाने के प्लानिंग कर सकते हैं। आज आप कुछ समय मित्रों के साथ बितायेंगे और किसी दोस्त की बर्थडे पार्टी इंजॉय करेंगे।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप अपने कारोबार में डबल मुनाफा कमायेंगे और परिवार की जरूरतों को पूरा करने में सफल बनेंगे। आज आपको बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा, जिससे आपके काम में उन्नति होगी और आपका मान सम्मान बढ़ेगा। आज आपके घर में शुभ समाचार मिलने की सम्भावना बन रही है, आपका दाम्पत्य जीवन सुखमय व्यतीत होगा।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज आप अपने बिजनेस में कुछ बदलाव कर सकते हैं, जिसका जल्द ही आपको पॉजिटिव रिस्पांस मिलेगा। आज आपकी मुलाकात बचपन के किसी दोस्त से होगी, आपकी पुरानी यादें ताजा होंगी।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप व्यापारिक लाभ कमाने के साथ-साथ अपने खर्चो के ऊपर भी ध्यान दें। आज आप कोई भी निर्णय लेने से पहले उस पर सोच विचार करें और घर के बड़ों से भी सलाह मशवरा कर सकते हैं।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक ठाक रहने वाला है। आज आपकी योजनाओं को सही दिशा मिलेगी, जिससे वो अपने उद्देश्य की तरफ आगे बढ़ेंगी। आज आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी, जो काम में आपकी मदद करेंगे।

कुम्भ राशिः कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप व्यावसायिक रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए कुछ अहम फैसले करेंगे, जिससे आपका बिजनेस अच्छा चल सके। आज आप इन्वेस्टमेंट के मामलों में किसी आर्थिक सलाहकार की मदद ले सकते हैं।

मीन राशिः मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आज ऑफिस में बॉस आपके काम की तारीफ करेंगे और जूनियर भी आपसे कुछ सीखने का प्रयास करेंगे।

सू- दोकू क्र.161

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र160 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4

नजरिया

डॉ. सुधीर सक्सेना

पर्वतारोहण से कमाई के फेर में नेपाल

पर्वतारोहण रोमांचक शौक है, जो जोखिम और खतरों के बीच परवान चढ़ता है। पर्वतारोहण संकल्प से सिद्धि की जीवटभरी गाथा है। तेनजिंग नोर्के और एडमंड हिलेरी को अमरत्व इसी पर्वतारोहण की देन है। पर्वतारोहण मनुष्य के साहस के लिये चुनौती है और जान जाने के डर के बावजूद मनुष्य है कि पहाड़ों पर चढ? से बाज नहीं आता। विश्व में दस में से आठ सर्वोच्च शिखर भारत के पड़ोसी देश नेपाल में हैं। इनमें सर्वोच्चतम है कि एवरेस्ट यानि सागरमाथा। पर्वतारोहण में शेरपाओं की कुशलता की दुनिया कायल है। पर्वतारोहण का ताजा और रोचक प्रसंग यह है कि पर्वतीय राष्ट्र नेपाल पर्वतारोहण से कमाई के फेर में पड़ गया है।

यह खबर ज्यादा पुरानी नहीं, बल्कि पिछले साल की है। गत वर्ष 12 अगस्त को खबर आई थी कि नेपाल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये पर्वतारोहण का सहारा लगा। अपनी इस नयी नीति के तहत उसने आगामी दो वर्षों के लिये दूरदराज के इलाकों में हिमालय की 97 चोटियों पर चढ़ाई को मुफ्त करने की बात कही थी, लेकिन तुर्रा यह कि उसी साल सितंबर से नगाधिराज हिमालय की सबसे ऊँची चोटी एवरेस्ट पर पीक सीजन में चढ़ाई के लिये परमिट फीस बढ़ाकर 15000 डालर कर दी गयी थी। गौरतलब है कि पर्वतारोहण नेपाल के लिये विदेशी मुद्रा कमाने का बड़ा जरिया है। पिछले साल पर्वतारोहण से उसे 5.9 मिलियन डालर की कमाई हुई थी। इसमें तीन-चौथाई से अधिक योगदान माउंट एवरेस्ट का था। सन 2024 में एवरेस्ट पर चढ़ाई के लिये चार सौ से भी अधिक परमिट जारी किये गये थे। कह सकते हैं कि हिमाच्छादित एवरेस्ट को पर्वतारोहियों की भीड़ का सामना करना पड़ रहा है, जिसका उसकी सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है।विशेषज्ञों का कहना है कि 8849 मीटर से अधिक ऊंची चोटी एवरेस्ट हाल के सालों में भीड़भाड़, पर्यावरण से जुड़ी चिंताओं और चढ़ाई के दम्यान कई जानलेवा हादसों से जूझ रही है। अप्रैल, सन 2024 में नेपाल की सर्वोच्च न्यायालय ने नेपाल सरकार को एवरेस्ट और अन्य अनेक चोटियों के लिये जारी किये जाने वाले परमिटों की संख्या सीमित करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने स्पष्ट कहा था कि पहाड़ों की क्षमता का सम्मान किया जाना चाहिये, लेकिन पहाड़ों से कमाई के चस्के के फेर में सरकार के कानों पर जूँ नहीं रेंगी। फलतः उसने सुप्रीम कोर्ट के परवाने को बलाये ताक रखकर परमिट काटना बदस्तूर जारी रखा। उसने इनकम जेनरेट करने की तालिका बनाई। तदनुसार अप्रैल-मई के मुख्य सीजन के अलावा शेष अवधि में जो आरोहण के इच्छुक हैं, उनके लिये सितंबर से नवंबर के बीच एवरेस्ट चढ़ाई की फीस 7500 डालर और और दिसंबर से फरवरी के मध्य 3750 डालर तय कर दी। दिसंबर, 25 तक सभी रास्तों से एवरेस्ट पर 13737 बार चढ़ाई हुई इसमें 6656 क्लायंट और 7081 क्लाइंबर शामिल थे। सफलता की दर 50 प्रतिशत से भी कम रही। लोकप्रिय दक्खिनी रास्ते पर सबसे ज्यादा मौतें हुई। नेपाल की तरफ जिन 116 पर्वतारोहियों की मृत्यु हुई, उनमें 51 फीसद वे लोग थे, जो एक्स्ट्रा आक्सीजन का इस्तेमाल नहीं कर रहे थे। तिब्बत की तरफ ऐसी 41 मौतें हुई।सन 2000 के बाद से एवरेस्ट पर चढ वालो की संख्या में जबदस्त उछाल आया है। इससे एवरेस्ट प्रदूषण की गिरफ्त में है। सैलानियों और पर्वतारोहियों द्वारा छोड़े गये हजारों किलो कचरे, प्लास्टिक, आक्सीजन सिलेंडरों और मानव अपशिष्ट के कारण इसे दुनिया का सबसे ऊंचा कचरा घर कहा जाने लगा है। दिक्कत यह है कि कमाई के फेर में कचरा हटे तो हटे कैसे?

विचार

अजय दीक्षित

फ्लू के बढ़ते प्रकोप से हम अगली महामारी को लेकर क्या सीख सकते हैं?

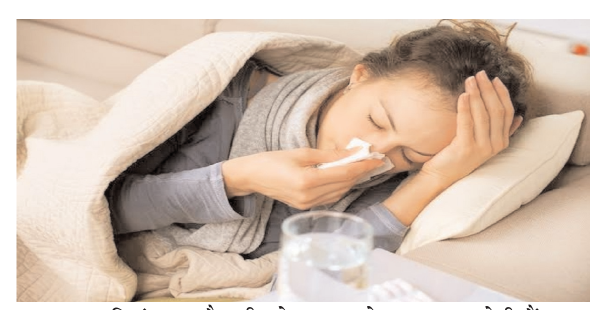

महामारियां क्रूर और सीखने का सबसे बुरा समय होती हैं। सबक सबसे अच्छे तरीके से महामारी के बीच के समय में सीखे जाते हैं, जैसे कि वर्तमान में फ्लू का प्रकोप। भारत के विभिन्न हिस्सों में इस साल पिछले साल की तुलना में 2-10 गुना अधिक मामले सामने आए हैं। सरकारी सलाह में भी जनता से सतर्क रहने को कहा गया है लेकिन घबराने को नहीं। मुझे समझ नहीं आता कि इसका क्या मतलब है। एक अच्छी तरह से स्थापित वायरस गंभीर चिंता का विषय नहीं होना चाहिए। फिर भी, संक्रमण को रोकने के लिए सलाह जारी करना आवश्यक है, विशेष रूप से उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों को भीड़-भाड़ वाली जगहों से बचने और मास्क के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए। इसमें उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों और स्वास्थ्य कर्मियों का टीकाकरण भी शामिल हो सकता है। नियंत्रण का अर्थ है यह सुनिश्चित करना कि संक्रमित व्यक्तियों को उचित चिकित्सा देखभाल मिले।कोविड के बाद, भारत में वायरल रोगों की निगरानी की एक उत्कृष्ट प्रणाली है। इन्फ्लूएंजा पॉजिटिविटी दर में एक निर्धारित सीमा से अधिक वृद्धि होने पर अलर्ट जारी किया जाना चाहिए। चयनित अस्पतालों में किए गए हमारे अध्ययन में पाया गया कि गंभीर तीव्र श्वसन संक्रमण के साथ भर्ती मरीजों में पॉजिटिविटी दर इस वर्ष 16 प्रतिशत थी, जबकि पिछले वर्ष यह 12 प्रतिशत थी। निगरानी और कार्रवाई के बीच का संबंध कमजोर है। यह अंतर आई.सी.एम.आर. , एन.सी.डी.सी. (प्रतिक्रिया का समन्वय) और राज्य स्वास्थ्य प्रणालियों के बीच है। आगे का रास्ता एक एकीकृत कमान संरचना स्थापित करना है, जिसे बीमारी के प्रकोप और महामारियों के दौरान प्रभावी प्रतिक्रिया के समन्वय और कार्यान्वयन के लिए स्पष्ट अधिकार प्राप्त हों।

हम कोविड से यह सबक सीखने में विफल रहे।

जीत से बड़ी हार

आज से 50-60 साल पहले कुछ मासिक पत्रिकाएं थीं, जैसे सत्यकथा, मनोहर कहानिया और सच्ची दुनिया। हम लोग स्कूल में थे और किताबों-पत्रिकाओं की दुकानों पर ये भी डिस्प्ले की हुई होती थीं। इनको पढ़ना ज्यादा अच्छा नहीं माना जाता था। लेकिन दसवीं या उसके बाद की कक्षाओं में पहुंचते-पहुंचते इनकी एकाध कहानी पढ़ ही लेते थे। मेरे बड़े मामा को इस तरह की जासूसी और जुर्म की पत्रिकाएं पढ़ने का बड़ा चस्का था। मेरी मां उनको कई बार टोका भी करती थीं। खैर, मामा की आदत जैसी थी, वैसी ही बरकरार रही। वह अंग्रेजी की कारवां ह्यरीडर्स डाइजेस्ट और इंडिया टुडे जैसी पत्रिकाएं भी खूब पढ़ते थे। मुझे कभी यह सत्यकथा, मनोहर कहानियां, सच्ची दुनिया आदि पढ़कर अच्छा नहीं लगा।आजकल जिस तरह की खबरें रोजाना देखने-पढ़ने को मिल रही हैं, उससे यही लगता है कि इस दौर में तो वे पत्रिकाएं भी बहुत पीछे रह गई हैं। अजीब-अजीब खबरें! एक परिवार के चार सदस्य कुछ दिन पहले तरबूज खाकर मर गए। उसमें चूहे मारने की दवा की मिलावट पाई गई। ये सब तो हम लोग पचास-पचपन बरस पहले भी अपनी आंखों से देखते रहे हैं। एक जुलूस में एक आदमी ने सार्वजनिक रूप से दर्द-निवारक कैप्सूल बांटने चाहे, ताकि लोगों का शारीरिक दर्द कम हो। साजिशों की ऐसी ही अनेक खबरें सामने आती रहती हैं। हमारे एक वरिष्ठ डॉक्टर ने एक वीडियो साझा किया है, जिसमें बताया गया है कि देशी घी के नाम पर इतनी मिलावट और धोखाधड़ी हो रही है कि पशुओं की चर्बी तक का इस्तेमाल किया जा रहा है।कुछ महीने पहले मैं अपने किसी मित्र के पास बैठा हुआ था। अचानक फोन आया। पता चला कि राजस्थान से उनका शुद्ध देशी घी आ रहा है। बताने लगे कि ऑनलाइन एक वीडियो देखा था और ऑर्डर कर दिया। दो हजार रुपये में एक किलो था। वह व्यक्ति एक किलो देसी घी की बोतल दे गया। पूछने लगा कि क्या यह आपको सही लग रहा है। मैं हंसने लगा। असल में आजकल यूट्यूब पर ऐसे वीडियो की भरमार है।आज की वास्तविक दुनिया में सत्यकथाएं, मनोहर कहानियां तो क्या, क्राइम नॉवेल, मर्डर मिस्ट्री वाली फिल्में और क्राइम शो भी पीछे रह गए हैं। जितने खुराफाती हम हो चुके हैं, जितने मक्कार, शातिर और चालबाज बन गए हैं, हम कुछ भी कर सकते हैं–लालच के चक्कर में। बच के रहिए।

शब्द सामर्थ्य -161

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंतःकरण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 160 का हल

गु	मा	न			प	यो	द	
न		ह	क	दा	र		ल	य
ह	वा	ला	त		च		द	म
गा			रा	ज	म	ह	ल	
र	ई	स		ग		स		अ
	मा		प	त	वा	र		ल
ख	न	क	ना		ह	त		बे
स	दा		ह		वा		शो	ला
रा	र				ही	र	क	

सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा 'बजरंग चौक का राजा'

बप्पा की धमाकेदार एंट्री ने खींचा लोगों का ध्यान,Instagram पर वायरल हुआ वीडियो, जमकर मिल रही तारीफ

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। गणेश उत्सव के बीच गरियाबंद के बजरंग चौक के राजा कल भव्य एंट्री के साथ विराजमान हुए। बजरंग चौक गणेश एवं नवदुर्गा उत्सव समिति ने इस बार भगवान गणपति के आगमन को बेहद आकर्षक अंदाज में प्रस्तुत किया। बप्पा की अनोखी एंट्री ने मौके पर मौजूद लोगों का ध्यान खींच लिया और अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चा बटोर रहा है।

पर्दे पर सबसे पहले गणपति बप्पा के हाथों की झलक दिखाई देती है, जिसके साथ विशाल मूषक की छवि नजर आती है। इसके बाद बप्पा मूषक पर सवार होकर तेज रफ्तार में आते हुए दिखाई देते हैं। जैसे ही अचानक पर्दा हटता है, सामने विराजमान भगवान गणेश की भव्य प्रतिमा के दर्शन होते हैं। इसी के साथ रोशनी और आतिशबाजी से पूरा बजरंग चौक जगमगा उठता है और चारों ओर 'गणपति बप्पा मोरया' के जयकारे गूंजने लगते हैं। पूरा माहौल गणपति भक्ति में डूब

जाता है। समिति की ओर से बप्पा के स्वागत के लिए किए गए इस अनोखे प्रयोग ने लोगों को खूब आकर्षित किया। एंट्री के दौरान मौजूद श्रद्धालुओं के बीच उत्साह देखते ही बना। भक्ति, रोशनी, संगीत और सिनेमाई अंदाज का यह संगम गणेश उत्सव में आकर्षण का केंद्र बन गया।

सोशल मीडिया पर भी छाई बप्पा की एंट्री

बजरंग चौक के राजा की इस शानदार एंट्री का वीडियो सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर चर्चित इंफ्लुएंसर कृतेश कश्यप कृष्णा ने Instagram अकाउंट @bajrng_chowk23 पर इस वीडियो को शूट कर शानदार अंदाज में पोस्ट किया।

वीडियो में बप्पा की एंट्री को जिस तरह फिल्माया गया है, उसने सोशल मीडिया यूजर्स का ध्यान खींच लिया। वीडियो को हजारों लोगों ने देखा और पसंद किया। बड़ी संख्या में लोगों ने इसे शेयर करते हुए समिति के इस नए प्रयोग की तारीफ की।

भक्ति के साथ सोशल मीडिया का नया अंदाज

बजरंग चौक के राजा की यह एंट्री इस मायने में भी खास रही कि यहां पारंपरिक गणेश भक्ति के साथ आधुनिक सोशल मीडिया प्रस्तुति का अनोखा मेल देखने को मिला। बप्पा की भव्य प्रतिमा, फिल्मी अंदाज में तैयार की गई एंट्री, लाइटिंग और आतिशबाजी ने इस आयोजन को यादगार बना दिया। अब 'बप्पा मोरया' के जयकारों के साथ बजरंग चौक के राजा की यह एंट्री Instagram पर भी धूम मचा रही है और गरियाबंद के गणेश उत्सव के सबसे चर्चित वीडियो में शामिल होती नजर आ रही है।

छोटे कारोबारियों को मिलेगा बड़ा सहारा

नगर पालिका कवर्धा में कल 17 सितंबर को लगेगा पीएम स्वनिधि लोन मेला

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। नगर पालिका परिषद कवर्धा द्वारा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत पथ विक्रेताओं, रेहड़ी-ठेला संचालकों, फेरीवालों एवं अन्य स्ट्रीट वेंडर्स को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से कल दिनांक 17 सितंबर 2026, गुरुवार को लोन मेले का आयोजन नगर पालिका परिषद कवर्धा के सभाकक्ष में किया जा रहा है। लोन मेला नगर पालिका परिषद सभा कक्ष में सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित किया जायेगा। मेले में पात्र हितग्राहियों को योजना की जानकारी देने के साथ ऋण आवेदन, दस्तावेजों की जांच, बैंक संबंधी मार्गदर्शन तथा ऋण प्रक्रिया में आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा।

15 हजार से 50 हजार तक मिलेगा ऋण

पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत छोटे कारोबारियों को चरणबद्ध तरीके से ऋण उपलब्ध कराया जाता है। संशोधित ऋण व्यवस्था के अनुसार प्रथम ऋण 15,000 तक, द्वितीय ऋण 25,000 तक तथा तृतीय ऋण 50,000 तक प्राप्त किया जा सकता है। योजना की प्रमुख विशेषता यह है कि पात्र हितग्राहियों को बिना किसी संपत्ति को गिरवी रखे और बिना गारंटी के ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। इससे छोटे व्यापारियों को अपने व्यवसाय में पूंजी लगाने और कारोबार को आगे बढ़ाने का अवसर मिलता है।

समय पर भुगतान पर ब्याज सब्सिडी और डिजिटल प्रोत्साहन

योजना के तहत ऋण का समय पर भुगतान करने वाले हितग्राहियों को ब्याज सब्सिडी का लाभ दिया जाता है। साथ ही डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल भुगतान और कैशलेस लेन-देन से जुड़े प्रोत्साहन का प्रावधान है। लोन मेले में हितग्राहियों को डिजिटल लेन-देन, यूपीआई, क्यूआर कोड तथा वित्तीय साक्षरता के संबंध में भी जानकारी दी जाएगी।

UPI लिंक्ड क्रेडिट कार्ड की सुविधा भी

पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत UPI लिंक्ड क्रेडिट कार्ड सुविधा भी लोन मेले में आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहेगी। छोटे व्यापारियों को डिजिटल भुगतान और दैनिक व्यावसायिक जरूरतों के लिए इस सुविधा की जानकारी दी जाएगी। इससे कारोबारियों को डिजिटल वित्तीय व्यवस्था से जोड़ने के साथ सुरक्षित एवं सुविधाजनक लेन-देन को बढ़ावा मिलेगा।

एक ही स्थान पर मिलेगी पूरी जानकारी और मार्गदर्शन

लोन मेले में बैंक अधिकारियों एवं नगर पालिका की टीम द्वारा पात्र पथ विक्रेताओं को ऋण से संबंधित आवश्यक जानकारी दी जाएगी। हितग्राहियों के आवेदन, दस्तावेजों की जांच, ऋण संबंधी प्रक्रिया तथा योजना के अन्य लाभों के संबंध में मौके पर मार्गदर्शन किया जाएगा। साथ ही हितग्राहियों को वित्तीय समावेशन, डिजिटल साक्षरता, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास तथा अन्य शासकीय योजनाओं से जोड़ने की दिशा में भी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

इन दस्तावेज के साथ पहुंचे हितग्राही

लोन मेले में आने वाले पात्र पथ विक्रेताओं से आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, बैंक पासबुक/खाता विवरण, राशन कार्ड अथवा निवास प्रमाण, व्यवसाय/रेहड़ी-ठेला संबंधी प्रमाण या फोटो तथा आधार से लिंक मोबाइल नंबर साथ लाने की अपील की गई है। उपलब्ध होने पर दुकान या व्यवसाय स्थल का प्रमाण, बिजली बिल, जलकर भुगतान रसीद, बीमा अथवा सामाजिक सुरक्षा योजना से संबंधित प्रमाण तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज साथ लावें।

अधिक से अधिक पथ विक्रेताओं को लाभ दिलाने का लक्ष्य

पीएम स्वनिधि योजना का उद्देश्य केवल ऋण उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि छोटे कारोबारियों को आत्मनिर्भर बनाना, उनके व्यवसाय का विस्तार करना, बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ना और औपचारिक अर्थव्यवस्था में उनकी भागीदारी बढ़ाना है। योजना के माध्यम से पथ विक्रेताओं को नियमित वित्तीय गतिविधियों से जोड़कर उनके लिए भविष्य में बेहतर ऋण सुविधाओं का लाभ दिया जाना है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत गरियाबंद जिले के प्रत्येक मंडल में प्रज्ज्वलित होगा आशीर्वाद का दीया

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जिला गरियाबंद द्वारा सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम का भव्य एवं व्यापक आयोजन किया जा रहा है।

इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सफलतापूर्वक 25 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक उपलक्ष्य में जिले के सभी मंडलों एवं प्रमुख धार्मिक/सांस्कृतिक स्थलों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर की सहमति से जिले भर के विभिन्न मंडलों में प्रमुख अतिथियों, जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों की मंडलवार जिम्मेदारी तय कर सूची जारी की गई है।

मंडलवार निर्धारित स्थान एवं प्रमुख अतिथियों की जारी सूची के अनुसार गरियाबंद मंडल में भूतेश्वर नाथ परिसर में चंदूलाल साहू अध्यक्ष, राज्य भंडार गृह निगम,अनिल चंद्राकर भाजपा जिला अध्यक्ष, श्री सुरेन्द्र सोनटेके भाजपा जिला मंत्री,तिरंगा चौक गरियाबंद में रीखिराम यादव नगरपालिका अध्यक्ष, डॉ. आशीष शर्मा भाजपा जिला महामंत्री, अजय रोहरा भाजपा जिला कोषाध्यक्ष,राजिम मंडल गंगा आरती घाट राजिम में

रोहित साहू विधायक,डॉ. रामकुमार साहू पूर्व जिला अध्यक्ष, महेश यादव नगरपालिका अध्यक्ष राजिम, भारत सिन्हा वरिष्ठ भाजपा नेता, कोपरा मंडल के नगर पंचायत कोपरा के अटल परिसर में संतोष उपाध्याय पूर्व विधायक, चंद्रशेखर साहू जिला महामंत्री,श्री रूपनारायण साहू नगर पंचायत अध्यक्ष कोपरा,फिंगेश्वर मंडल के रानी श्यामकुमारी चौक में डॉ. श्वेता शर्मा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य,श्रीमती इन्द्राणी नेहरू साहू जनपद अध्यक्ष फिंगेश्वर, भागवत हरित वरिष्ठ भाजपा नेता,खड़मा मंडल के जतमाई धाम में राजेश साहू प्रदेश कार्यसमिति सदस्य,श्रीमती शिवांगी चतुर्वेदी भाजपा जिला प्रवक्ता,छुरा मंडल के शीतला मंदिर प्रांगण में श्रीमती मीरा ठाकुर जनपद अध्यक्ष, छुरा,श्रीमती लुकेश्वरी निषाद नगर पंचायत अध्यक्ष, छुरा, लेखराज ध्रुवा जिला पंचायत सदस्य,देवभोग मंडल के हनुमान मंदिर में

गोवर्धन मांझी पूर्व विधायक, पदुलोचन जगत भाजपा जिला उपाध्यक्ष, कांदाडोंगर मंडल के माँ कुलेश्वरी कांदाडोंगर धाम में डमरूधर पुजारी पूर्व विधायक,डॉ. मनीष सिन्हा भाजपा जिला मंत्री,गोहरापदर मंडल के अटल चौक में श्रीमती मोहना नेताम जनपद अध्यक्ष, मैनपुर,डॉ. योगीराज माखन कश्यप भाजपा जिला प्रवक्ता,झाखरपारा मंडल के जगन्नाथ मंदिर में देशबंधु नायक जिला पंचायत सदस्य,गुरुनारायण तिवारी भाजपा जिला उपाध्यक्ष,मैनपुर मंडल भाठीगढ़ में श्रीमती कुमारी बाई पटेल जनपद सदस्य मैनपुर, योगेश शर्मा जिला प्रशिक्षण प्रमुख,मलेवांचल मंडल के मुढ़ीपानी में श्रीमती ललिमा ठाकुर जिला पंचायत उपाध्यक्ष, पारस ठाकुर भाजपा जिला प्रवक्ता शामिल होंगे।

इस अभियान के तहत भाजपा कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी मंदिरों, चौकों और सार्वजनिक स्थलों पर दीप प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दीर्घायु जीवन, उत्तम स्वास्थ्य तथा देश की निरंतर प्रगति व समृद्धि की कामना करेंगे। भाजपा जिला गरियाबंद के नेतृत्व ने सभी कार्यकर्ताओं एवं आमजनों से इस आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में सहभागी बनने की अपील की है।

तहसील कोर्ट लोरमी में क्लर्क की कमी को लेकर अधिवक्ता संघ लोरमी ने कलेक्टर को दिया आवेदन

लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। आज दिनांक 16 सितंबर को अधिवक्ता संघ लोरमी के पदाधिकारी एवं अधिवक्ता संघ के सदस्य गण मुंगेली कलेक्टर को आवेदन पत्र दिए हैं जिसमें उन्होंने तहसील कोर्ट लोरमी में जो क्लर्क की कमी है जिसके कारण न्यायालय कार्य लगभग डेढ़ महीने से बंद है उन कार्यों में गति लाने के लिए निवेदन किए हैं। लोरमी में उपकोषालय ट्रेजरी की जो मांग 2018 से चल रही है वह आज तक पूरा नहीं हुआ है जिसके कारण बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता है। तहसील परिसर लोरमी तहसील परिसर लोरमी में न्यायालय खुलने के बाद से अभी तक अधिवक्ताओं के बैठने एवं कार्य करने के लिए सुविधाजनक समद्रिक भवन की कमी है जिसके कारण उन्हें कार्य करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है उक्त संबंध में पूर्व में जिला मुंगेली के कलेक्टर महोदय एवं अन्य विभाग की अधिकारी लोरमी को अवगत कराया गया है लेकिन इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाने के कारण भवन निर्माण नहीं हो सका है। अधिवक्ता गणों में संजय त्रिपाठी सुरेश छतरियां जितेंद्र सिंह ठाकुर भुवनेश्वर कश्यप किशन देवांगन महेंद्र सिंह अजय तिवारी रामेश्वर कुलमित्र एवं अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे।

सरोदा-पालनिपाठ में हर शाम सज रही शराबियों की महफिल

बेखौफ होकर कर रहे अवैध महुआ शराब का कारोबार

– विकाश शुक्ला

कबीरधाम (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले के वनांचल क्षेत्रों में कथित रूप से अवैध महुआ शराब के निर्माण और बिक्री का कारोबार एक बार फिर चर्चा में है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई स्थानों पर खुलेआम महुआ शराब की बिक्री हो रही है और शाम होते ही शराब पीने वालों का जमावड़ा लग जाता है। इससे गांवों का माहौल प्रभावित होने के साथ-साथ कानून व्यवस्था को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

सरोदा-पालनिपाठ क्षेत्र में होटलनुमा स्थानों पर हर शाम लगती है भीड़

स्थानीय ग्रामीणों के मुताबिक सरोदा-पालनिपाठ क्षेत्र में शाम होते ही कुछ होटल और आसपास के स्थानों पर शराब पीने वालों की भीड़ दिखाई देती है। आरोप है कि यहां महुआ शराब आसानी से उपलब्ध हो जाती है।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि यह कारोबार वास्तव में अवैध रूप से चल रहा है, तो इसे रोकने के लिए जिम्मेदार विभागों की कार्रवाई कहां है

सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि अवैध शराब का निर्माण और बिक्री लंबे समय से चल रही है, तो संबंधित जिम्मेदार विभाग को इसकी जानकारी क्यों नहीं हो पा रही है और यदि जानकारी है, तो अब तक प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हुई।

शाम ढलते ही बदल जाता है माहौल

ग्रामीणों का कहना है कि शराबियों के जमावड़े के कारण महिलाओं और परिवारों को

परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार शराब के नशे में विवाद और झगड़े की स्थिति बनने की आशंका भी बनी रहती है। ऐसे में सार्वजनिक स्थानों के आसपास शराबखोरी को लेकर आबकारी विभाग और पुलिस की निगरानी पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

स्थानीय लोगों ने मांग की है कि पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा सरोदा-पालनिपाठ क्षेत्र में औचक निरीक्षण की जाए। अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री की शिकायतों की गंभीरता से जांच कर दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाए।

कानून का डर या कार्रवाई का अभाव

ग्रामीणों का कहना है कि यदि अवैध शराब कारोबारियों पर समय रहते शिकंजा नहीं कसा गया तो इसका असर युवाओं और नई पीढ़ी पर भी पड़ सकता है। सवाल सिर्फ शराब बिक्री का नहीं, बल्कि गांव के सामाजिक वातावरण और कानून व्यवस्था का भी है।

अब देखना यह होगा कि इन शिकायतों और आरोपों पर पुलिस तथा आबकारी विभाग क्या कार्रवाई करता है। क्या सरोदा-पालनिपाठ में शाम के समय होने वाले कथित शराब जमावड़े की जांच होगी या फिर यह मामला भी शिकायतों और चर्चाओं तक ही सीमित रह जाएगा।

आज कवर्धा में भी जगमगाएगा 'आशीर्वाद का दीया'

प्रमुख स्थानों पर सामूहिक रूप से जलेंगे दीप

तैयारी पूर्ण, घर-घर दीप प्रज्वलित करने की अपील

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर को देशभर में आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम को लेकर कवर्धा में भी व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। नगर पालिका परिषद कवर्धा द्वारा शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। साथ ही शहरवासियों से अपने-अपने घरों में दीप जलाकर कार्यक्रम में सहभागी बनने की अपील की गई है। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने पार्षदों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर 17 सितंबर को आयोजित होने वाले

'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को कार्यक्रम से जोड़ने तथा प्रत्येक घर में दीप प्रज्वलित करने के लिए प्रेरित करने की अपील की।

इन स्थानों पर जलेंगे दीप

कवर्धा शहर में कार्यक्रम के तहत प्रमुख रूप से बूढ़ा महादेव मंदिर के पास, महामाया मंदिर के पास, अटल परिसर, वीर स्तंभ चौक, शिवाजी चौक, कैलाश नगर के पास, मिनीमाता चौक के पास तथा गुरुनानक गेट के पास दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। इन स्थानों पर सामूहिक रूप से दीप जलाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद व्यक्त किया जाएगा।

योजनाओं के हितग्राही भी बनेंगे सहभागी

कार्यक्रम में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित परिवारों एवं हितग्राहियों को भी जोड़ा जाएगा। कवर्धा शहर में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास प्राप्त करने वाले हितग्राही, पीएम स्वनिधि योजना से लाभ अर्जित करने वाले हितग्राही तथा महतारी वंदन योजना का लाभ प्राप्त करने वाली महिलाएं भी 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम में सहभागी बनेंगी।

हर घर में जलेगा आशीर्वाद का दीया

नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने बैठक में कहा कि 17 सितंबर को कवर्धा शहर में सामूहिक दीप प्रज्वलन के साथ-साथ प्रत्येक घर में दीप जलाने का संदेश पहुंचाया जाए। उन्होंने पार्षदों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों से अपने-अपने वार्डों में नागरिकों से संपर्क कर उन्हें कार्यक्रम में शामिल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि 'आशीर्वाद का दीया' केवल दीप प्रज्वलन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर जनभागीदारी और सेवा भावना को प्रदर्शित करने का अवसर है। उन्होंने कवर्धावासियों से 17 सितंबर की शाम अपने घरों में दीप जलाकर इस आयोजन में सहभागी बनने की अपील की।

इस बैठके के अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी के साथ भाजपा कोषाध्यक्ष विक्की अग्रवाल, शहर भाजपा मंडल अध्यक्ष सतविंदर पाहुजा, नगर पालिका उपाध्यक्ष पवन जायसवाल, सभापतिगण, पार्षदगण सहित जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

पीएम-किसान सम्मान निधि से बदली छत्रपाल सिंह की जिंदगी

कोरबा (दैनंदिनी ब्यूरो)। विकासखंड पोड़ी-उपरोड़ा के ग्राम मादन निवासी किसान छत्रपाल सिंह, पिता नेवरात सिंह कंवर के लिए खेती सिर्फ आजीविका का साधन नहीं, बल्कि परिवार के बेहतर भविष्य की उम्मीद है। पत्नी और दो बच्चों की जिम्मेदारी के साथ वे सीमित संसाधनों में खेती करते रहे हैं। कृषि कार्य में बीज, खाद, कीटनाशक, सिंचाई और मजदूरी जैसी जरूरतों पर समय से राशि जुटाना उनके लिए लंबे समय तक बड़ी चुनौती रहा।

किसान के लिए खेती ऐसा कार्य है, जिसमें खर्च पहले करना पड़ता है और आमदनी फसल तैयार होने के बाद मिलती है। कई बार पर्याप्त राशि उपलब्ध नहीं होने के कारण छत्रपाल सिंह उन्नत बीज या आवश्यक कृषि दवाइयां समय पर नहीं खरीद पाते थे। धान कटाई के समय मजदूरों के भुगतान की चिंता भी बनी रहती थी। आर्थिक तंगी के कारण उन्हें कई बार उधार लेकर खेती का काम पूरा करना पड़ता था।

वर्ष 2019 में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से जुड़ने के बाद उनके जीवन में धीरे-धीरे सकारात्मक बदलाव आने लगा। योजना के तहत मिलने वाली प्रति वर्ष 6 हजार रुपये की सहायता राशि तीन समान किस्तों में सीधे बैंक खाते में मिलने लगी। छत्रपाल सिंह बताते हैं कि राशि भले ही बहुत बड़ी नहीं है, लेकिन खेती के समय जरूरत के मुताबिक सीधे खाते में मिलने वाली यह सहायता उनके लिए बेहद उपयोगी साबित हुई।

जसप्रीत बुमराह ने वापसी के साथ ICC T20I रैंकिंग में मचाया तहलका

7 स्थानों की छलांग लगाकर टॉप-10 में की वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अफगानिस्तान के बीच में खेली जा रही तीन मैचों की टी20 सीरीज के अभी तक 2 मुकाबले खेले गए हैं और दोनों में टीम इंडिया के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का जबरदस्त प्रदर्शन देखने को मिला है। पिछले कुछ महीने से फिटनेस की समस्या के चलते बुमराह स्क्वाड से बाहर चल रहे थे, ऐसे में वापसी के साथ उनके लिए यह सीरीज काफी अहम थी और बुमराह ने शानदार तरीके से वापसी करने के साथ 2 मैच में भले ही दो विकेट हासिल किए हैं लेकिन गेंद से उनका फॉर्म और लय काफी जबरदस्त देखने को मिली है, जिसका फायदा बुमराह को आईसीसी टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में भी मिला है, जहां उन्होंने 7 स्थानों की छलांग लगाने के साथ टॉप-10 में एकबार फिर से वापसी कर ली है।

जसप्रीत बुमराह का पिछले कुछ महीनों में इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर रहने की वजह से उनकी आईसीसी रैंकिंग में भी इसका असर देखने को मिला था, जिसमें अब टी20 इंटरनेशनल में वापसी के साथ ही अब वह इसमें सुधार करने में कामयाब हो गए हैं। जसप्रीत बुमराह ने आईसीसी की तरफ से जारी लेटेस्ट रैंकिंग अपडेट में टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में 7 स्थानों की छलांग लगाने के साथ सीधे 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं। बुमराह के अब रेटिंग प्वाइंट को लेकर बात की जाए तो वह 650 हो गए हैं। ऐसे में आगामी एशियन गेम्स को देखते हुए बुमराह की रैंकिंग में और अधिक सुधार देखने की उम्मीद की जा सकती है।

बुमराह के अलावा अर्शदीप सिंह भी आईसीसी की तरफ से जारी लेटेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में सुधार करने में कामयाब रहे हैं, जिसमें अफगानिस्तान के खिलाफ शुरुआती 2 टी20 मैचों में अर्शदीप ने कुल 5 विकेट हासिल किए जिसका फायदा उनको आईसीसी रैंकिंग में भी मिला है। अर्शदीप सिंह अब आईसीसी टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में 11 स्थानों की छलांग लगाने के साथ 642 रेटिंग प्वाइंट के साथ 14वें नंबर पर आ गए हैं, वहीं इसके अलावा वरुण चक्रवर्ती ने 2 स्थानों की छलांग लगाई है और वह 678 रेटिंग प्वाइंट के साथ 5वें नंबर पर पहुंच गए हैं, हालांकि अब उनकी रैंकिंग में गिरावट देखने को भी मिल सकती है क्योंकि वह पहले टी20 मैच के बाद चोटिल होने की वजह से बाहर हो गए हैं और एशियन गेम्स में भी खेलने नहीं जा पाएंगे।

एशियन गेम्स से पहले टीम इंडिया के स्क्वाड में बदलाव, वरुण चक्रवर्ती बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम का ऐलान पहले ही कर दिया गया था, लेकिन अब इसमें अचानक से बदलाव कर दिया गया है। भारत बनाम अफगानिस्तान टी20 सीरीज के बाद टीम इंडिया जापान के लिए रवाना होगी, जहां टीम सीधे क्वार्टर फाइनल में हिस्सा लेगी। इस बीच वरुण चक्रवर्ती इस टीम के स्क्वाड से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह विप्रज निगम की एंट्री हो गई है। बाकी टीम फिलहाल वही रहेगी।

वरुण चक्रवर्ती के चोटिल होने के कारण मिला विप्रज निगम को मौका

भारत और अफगानिस्तान के बीच इस वक्त तीन टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज खेली जा रही है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम इंडिया ने पहले दो मैच जीतकर सीरीज पर कब्जा कर लिया है। इस बीच पहले ही मैच के दौरान स्टार स्पिनर वरुण चक्रवर्ती चोटिल हो गए थे, इसलिए वे मौजूदा सीरीज से बाहर चल रहे हैं। अब वे इस सीरीज से तो बाहर हैं ही, साथ ही ऐलान ये भी कर दिया गया है कि वे एशियन गेम्स के स्क्वाड से भी बाहर हो गए हैं। यानी वे लंबे समय तक अब क्रिकेट नहीं खेल पाएंगे। मजे की बात ये है कि वरुण करीब दो महीने पहले भी चोटिल हुए थे, उसके बाद ठीक होकर वापस आए थे, लेकिन एक मैच में केवल चार ओवर फेंकने के बाद ही वे फिर बाहर चले गए हैं।

आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलते हैं विप्रज निगम

इस बीच वरुण चक्रवर्ती की जगह विप्रज निगम को टीम में शामिल किया गया है। वे पहली बार टीम में नजर आएंगे। हालांकि उन्हें मौका मिलेगा कि नहीं, ये देखना होगा। विप्रज निगम आईपीएल में खेलते हैं और वहां अच्छा प्रदर्शन भी किया है। साल 2025 में ही उन्हें दिल्ली कैपिटल्स ने अपने पाले में शामिल किया था। तब उन्होंने 14 मैच खेलकर 11 विकेट अपने नाम करने में कामयाबी हासिल की थी। इसके बाद साल 2026 में वे केवल पांच ही मैच खेल पाए।

जहां उन्हें दो सफलताएं मिली। दरअसल विप्रज निगम को लेकर दिक्कत ये भी है कि दिल्ली की टीम में पहले ही कुलदीप यादव और अक्षर पटेल जैसे स्पिन गेंदबाज हैं, इसलिए उन्हें प्लेइंग इलेवन में ज्यादा मौका नहीं मिल पाता है। अब तक आईपीएल में 19 मैच खेलकर विप्रज ने 157 रन बनाए हैं।

रिटायरमेंट के बाद फिर से अर्जेंटीना की जर्सी में खेलते दिख सकते हैं लियोनल मेसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी लियोनल मेसी ने पिछले महीने इंटरनेशनल फुटबॉल से अपने रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया था, जिसके बाद अब उनको 6 अक्टूबर को बेनिन के खिलाफ होने वाले फ्रेंडली मैच के लिए अर्जेंटीना के स्क्वाड में शामिल किया गया है, जो उनका विदाई मैच भी माना जा सकता है।

फुटबॉल की दुनिया के महान खिलाड़ियों में शामिल अर्जेंटीना के दिग्गज खिलाड़ी लियोनल मेसी ने इंटरनेशनल फुटबॉल से अपने रिटायरमेंट का ऐलान अगस्त 2026 में कर दिया था। इससे पहले वह फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 में आखिरी बार इंटरनेशनल मुकाबला खेलते हुए दिखाई दिए थे, जिसके फाइनल मैच में अर्जेंटीना को स्पेन से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से ही मेसी के रिटायरमेंट लेने के कयास लग रहे थे, जिसमें उन्होंने अगस्त महीने में इसका ऐलान पिता के निधन के बाद कर दिया था। मेसी को लेकर अब अर्जेंटीना फुटबॉल संघ की तरफ से बड़ा ऐलान किया गया है जिसमें मेसी को बेनिन के खिलाफ होने वाले फ्रेंडली मैच में खेलने को लेकर निमंत्रण भेजा गया था, जिसको मेसी ने स्वीकार कर लिया है, ऐसे में उम्मीद लगाई जा रही है कि यह मेसी का इंटरनेशनल फुटबॉल में आखिरी मुकाबला हो सकता है।

अर्जेंटीना की टीम 6 अक्टूबर को ब्यूनस आयर्स में बेनिन के खिलाफ एक इंटरनेशनल फ्रेंडली फुटबॉल मुकाबला खेलेगी, जिसको लेकर उन्होंने जो स्क्वाड का ऐलान किया है उसमें लियोनल मेसी का नाम भी शामिल है। ऐसे में मेसी के लिए यह मैच इंटरनेशनल में विदाई मुकाबले के रूप में भी देखा जा रहा है। हालांकि अभी तक मेसी ने इस मैच में अपने हिस्सा लेने को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन अर्जेंटीना फुटबॉल के प्रमुख ने कहा कि इस दिग्गज खिलाड़ी ने बेनिन के खिलाफ होने वाले मैच के लिए निमंत्रण स्वीकार कर लिया है।

आईसीसी रैंकिंग में अभिषेक शर्मा ने पाकिस्तानी बल्लेबाज को पछाड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी रैंकिंग एक बार फिर से सामने आ गई है। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने इस बार छलांग मारी है। वे पाकिस्तानी सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान से आगे निकल गए हैं। इस बीच भारत के ईशान किशन का पहले नंबर की कुर्सी पर कब्जा बना हुआ है और उनकी लीड भी काफी अच्छी बन चुकी है। जॉस बटलर को भी हल्का सा फायदा हुआ है, वहीं तिलक वर्मा और नीचे चले गए हैं।

ईशान किशन आईसीसी टी20 रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज

भारत बनाम अफगानिस्तान टी20 सीरीज के बीच आईसीसी की ओर से टी20 की नई रैंकिंग जारी कर दी गई है। भारत के ईशान किशन पहले नंबर की कुर्सी पर विराजमान हैं। उनकी रेटिंग इस वक्त 913 की चल रही है। अफगानिस्तान के खिलाफ जारी सीरीज के पहले मैच में ईशान ने 42 रन बनाए थे, वहीं दूसरे मैच में वे 38 रन बनाकर नाबाद रहे। इसका फायदा उन्हें रैंकिंग और रेटिंग में भी मिलता हुआ नजर आ रहा है।

अभिषेक शर्मा को मिला एक स्थान का फायदा, साहिबजादा फरहान नीचे खिसके

इस बीच भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने एक स्थान की छलांग मारी है। वे अब दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। अभिषेक की रेटिंग अब 862 की हो गई है। अफगानिस्तान के खिलाफ पहले ही मैच में अभिषेक ने धमाकेदार अर्धशतक लगाया था। इस बीच पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान तीसरे नंबर पर चले गए हैं। उनकी रेटिंग 848 की चल रही है।

जॉस बटलर को भी एक स्थान का हुआ फायदा

इंग्लैंड के कप्तान रहे और ओपनर जॉस बटलर ने भी इस बार छलांग मारी है। वे अब एक स्थान के उछाल के साथ नंबर 7 पर पहुंच गए हैं। श्रीलंका के खिलाफ जारी सीरीज के पहले ही मैच में जॉस ने 80 रनों की जबरदस्त पारी खेली है। जॉस के आगे निकल जाने से भारत के तिलक वर्मा को नुकसान हुआ है। वे 740 की रेटिंग के साथ नंबर 8 पर चले गए हैं। भारत बनाम अफगानिस्तान सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच अभी बाकी है। इसमें भारतीय खिलाड़ी जिस तरह का प्रदर्शन करेंगे, उसका असर अगली रैंकिंग पर नजर आएगा। इसके लिए अभी कुछ दिन का इंतजार करना होगा।

व्यापार

बाजार ने तेजी के साथ शुरू किया कारोबार, इन शेयरों में तेज बढ़त

मुंबई (एजेंसी)। घरेलू शेयर बाजार ने बुधवार को एक बार फिर बढ़त लेकर कारोबार की शुरुआत की। आज सेंसेक्स 0.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ खुला। जबकि निफ्टी 50 ने भी 0.36 प्रतिशत की तेजी के साथ ट्रेडिंग शुरू की। हफ्ते के दूसरे ट्रेडिंग सेशन में बीईएल, आईटीसी, एसबीआई, एक्सिस बैंक जैसी प्रमुख कंपनियों के शेयर अच्छी बढ़त लेकर खुले। इनके अलावा, आज महिंद्रा एंड महिंद्रा और अडाणी पोर्ट्स के शेयरों ने भी तेजी के साथ कारोबार शुरू किया।

हफ्ते के दूसरे ट्रेडिंग सेशन में बीएसई सेंसेक्स 245.49 अंकों (0.33%) की तेजी के साथ 74,249.31 अंकों पर खुला। जबकि, एनएसई का निफ्टी 50 इंडेक्स आज 83.00 अंकों (0.36 प्रतिशत) उछलकर 23,201.60 अंकों पर खुला। बताते चलें कि घरेलू शेयर बाजारों ने मंगलवार को जबरदस्त तेजी के साथ कारोबार शुरू किया था, लेकिन अंत में बाजार भारी गिरावट के साथ बंद हुआ।

बुधवार को सेंसेक्स की 30 में से 27 कंपनियों के शेयर ही बढ़त लेकर हरे निशान में खुले और बाकी की 3 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में खुले। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 50 की 50 में से 44 कंपनियों के शेयर ही तेजी के साथ हरे निशान में खुले और बाकी की 6 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में खुले।

हफ्ते के दूसरे ट्रेडिंग सेशन में सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल दिग्गज सरकारी डिफेंस कंपनी बीईएल के शेयर

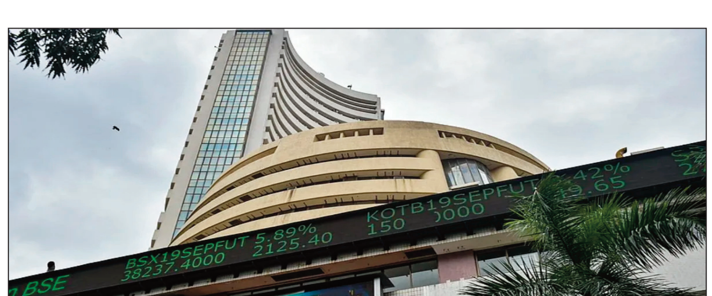

सबसे ज्यादा 1.61 प्रतिशत की तेजी के साथ खुले। जबकि, देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी के शेयर ने आज सबसे ज्यादा 0.51 प्रतिशत के नुकसान के साथ कारोबार शुरू किया। बताते चलें कि मंगलवार को बीईएल के शेयर क्रैश हो गए थे।

सेंसेक्स के अन्य शेयरों की बात करें तो आज आईटीसी के शेयर 1.10 प्रतिशत, एसबीआई 1.07 प्रतिशत, एक्सिस बैंक 1.06 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.03 प्रतिशत, अडाणी पोर्ट्स 1.02 प्रतिशत, टाइटन 0.96 प्रतिशत, कोटक महिंद्रा बैंक 0.96 प्रतिशत, सन फार्मा 0.77 प्रतिशत, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.74 प्रतिशत, पावर ग्रिड 0.68 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 0.68 प्रतिशत, रिलायंस इंडस्ट्रीज 0.65 प्रतिशत, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.61 प्रतिशत, एचसीएल टेक 0.55 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 0.53 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक 0.50 प्रतिशत, ट्रेंट 0.47 प्रतिशत, एटरनल 0.41 प्रतिशत, टीसीएस 0.37 प्रतिशत, एशियन पेंट्स 0.37 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 0.31 प्रतिशत, भारती एयरटेल 0.31 प्रतिशत, एलएंडटी 0.26 प्रतिशत, मारुति सुजुकी 0.16 प्रतिशत, इंडिगो 0.14 प्रतिशत और इन्फोसिस के शेयर 0.09 प्रतिशत की तेजी के साथ खुले।

UPI इकोसिस्टम के लिए बहुत जरूरी था MDR, फोनपे के सीईओ बोले- इंडस्ट्री को रेवेन्यू कमाने में मिलेगी मदद

मुंबई (एजेंसी)। PhonePe के फाउंडर और सीईओ समीर निगम ने कहा है कि हर दिन लगभग 70-80 करोड़ UPI ट्रांजैक्शन होते हैं। सरकार का 2000 रुपये से ज्यादा के मर्चेंट UPI ट्रांजैक्शन पर 0.4% मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) लागू करने का फैसला इंडस्ट्री को रेवेन्यू कमाने में मदद करेगा, जिसे आगे की ग्रोथ के लिए फिर से इन्वेस्ट किया जा सकता है।

एक इंटरव्यू में उन्होंने समीर निगम ने कहा कि लगभग 96% ट्रांजैक्शन मुफ्त रहेंगे क्योंकि भारत में ज्यादातर UPI ट्रांजैक्शन 2000 रुपये से कम के होते हैं। उन्होंने कहा कि MDR पर सरकार का फैसला UPI इकोसिस्टम की लंबी अवधि की ग्रोथ और सस्टेनेबिलिटी के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा, "NPCI ने 2000 रुपये से ज्यादा के UPI ट्रांजैक्शन पर 0.4% MDR को मंजूरी दी है। नतीजतन, ये चार्ज सिर्फ बड़े ट्रांजैक्शन पर लागू होगा और इससे होने वाली कमाई इंडस्ट्री को कम से कम अपनी ऑपरेशनल लागत वसूलने में मदद करेगी। पिछले 6 सालों से, जब UPI ट्रांजैक्शन MDR-फ्री थे, तब पूरी पेमेंट इंडस्ट्री हर साल भारी नुकसान उठा रही थी।"

PhonePe के फाउंडर ने आगे कहा, "हमने सरकार और RBI के सामने लगातार ये मुद्दा उठाया है। दुनिया भर के 200 से ज्यादा देशों में डिजिटल पेमेंट सिस्टम काम करते हैं, फिर भी भारत अकेला ऐसा देश था जहां UPI ट्रांजैक्शन पर कोई MDR नहीं लगता था।

एआई+ स्मार्टफोन का सर्विस नेटवर्क 1,000 से अधिक टचपॉइंट्स तक होगा

उज्जैन (एजेंसी)। एआई+ स्मार्टफोन ने देशभर में अपने आफ्टर-सेल्स सर्विस नेटवर्क को 1,000 से अधिक सर्विस सेंटर तक विस्तार देने की योजना बनाई है। मौजूदा 800 से अधिक सेंटरों में 200 से ज्यादा नए सेंटर जोड़े जाएंगे। कंपनी इस दिवाली दिल्ली में अपना पहला एक्सक्लूसिव एआई+ सर्विस सेंटर भी शुरू करेगी। दिल्ली सेंटर पर प्रशिक्षित तकनीकी सहायता, ओरिजिनल स्पेयर पार्ट्स, रिपेयर, सॉफ्टवेयर सपोर्ट, वारंटी सेवा और डिवाइस सेटअप जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। कंपनी के अनुसार, सामान्य सर्विस जरूरतों को समस्या की जटिलता के आधार पर उसी दिन से अधिकतम सात दिन में पूरा करने का लक्ष्य है। इसके साथ ही एआई+ असिस्टेंस ऐप लॉन्च किया जाएगा। ऐप के जरिए ग्राहक डिवाइस और वारंटी की जानकारी देख सकेंगे, नजदीकी सर्विस सेंटर खोज सकेंगे, सर्विस रिक्वेस्ट दर्ज कर सकेंगे और टिकट की स्थिति ट्रैक कर सकेंगे। कंपनी के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य ग्राहकों को तेज, सुविधाजनक और पारदर्शी आफ्टर-सेल्स सपोर्ट उपलब्ध कराना है।

वोल्वो सीई ने लॉन्च किया 65-टन क्लास एक्सकेवेटर EC650

रायपुर (एजेंसी)। वोल्वो कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट इंडिया ने बाउमा कॉनएक्सपो इंडिया 2026 में अपनी माइनिंग लाइन-अप का विस्तार करते हुए 65-टन क्लास एक्सकेवेटर EC650 का कमर्शियल लॉन्च किया। 435 एचपी क्षमता वाले वोल्वो D13E इंजन से लैस यह मशीन बड़े पैमाने पर अर्थमूविंग और चुनौतीपूर्ण माइनिंग कार्यों के लिए तैयार की गई है। कंपनी के अनुसार, EC650 में मजबूत अंडरकैरेज, हेवी-ड्यूटी बूम और आर्म तथा एडवांस्ड हाइड्रोलिक्स दिए गए हैं। इसे बेहतर टिकाऊपन और ईंधन दक्षता के लिए डिजाइन किया गया है। माइनिंग ग्राहकों के लिए मशीन तत्काल डिलीवरी के लिए उपलब्ध है और Equipment-as-a-Service विकल्प के तहत भी ली जा सकेगी। प्रदर्शनी में EC210, EC215, EC220, EC300, EC480 सहित अन्य मशीनें भी प्रदर्शित की गईं। कंपनी ने 'आज बनाएं कल' अभियान के जरिए भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में योगदान देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। साथ ही, बेंगलुरु स्थित टेक्नोलॉजी सेंटर के माध्यम से आरएंडडी और प्रोडक्ट इनोवेशन को बढ़ावा देने की योजना भी बताई।

क्रॉम्पटन ने लॉन्च की वॉलस्माइल आउटडोर डेको वॉल लाइट रेंज

रायपुर (एजेंसी)। क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने आधुनिक आउटडोर स्पेस के लिए वॉलस्माइल आउटडोर डेको वॉल लाइट रेंज पेश की है। कंपनी के अनुसार, यह रेंज आकर्षक डिजाइन, टिकाऊपन और बेहतर आउटडोर प्रदर्शन का संयोजन है। इसे बालकनी, पोर्च, पूलसाइड, लॉबी और पार्किंग जैसे स्थानों के लिए उपयुक्त बनाया गया है।

रेंज में लिनिया, नेक्सो, प्रिज्म और हेलो मॉडल शामिल हैं, जिनकी क्षमता 4W से 6W तक है। अलग-अलग आकार और डिजाइन वाली ये लाइट्स आउटडोर स्पेस की सजावट को बेहतर बनाने के साथ रोशनी उपलब्ध कराती हैं।

पत्नी की सर्जरी के लिए नहीं मिली छुट्टी, होली-दिवाली पर भी किया काम- Oracle ने 12 साल से काम कर रहे कर्मचारी को निकाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी ओरेकल में छंटनी के ताजा दौर ने उन परिवारों की चिंता और अनिश्चितता को भी सामने ला दिया है, जिनके लिए अचानक नौकरी जाना सिर्फ रोजगार खत्म होना नहीं, बल्कि आर्थिक सुरक्षा और भविष्य की योजनाओं पर अनिश्चितता पैदा होना है। ओरेकल में 12 साल तक सेवाएं देने वाले सौरभ साहू की पत्नी पूजा ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में छंटनी से उपजी पीड़ा साझा की है।

पूजा ने कहा कि उनके पति ने होली और दिवाली, बर्थडे और मैरिज एनिवर्सरी जैसे बड़े मौकों पर भी काम किया। पूजा ने बताया कि सौरभ छुट्टियों में भी काम के लिए उपलब्ध रहते थे और पत्नी की सर्जरी के दौरान अस्पताल से भी काम कर रहे थे। इसके बावजूद हालिया छंटनी में उनकी नौकरी चली गई।

पूजा के मुताबिक, उनके पति को नौकरी से हटाए जाने के बारे में उस समय पता चला जब वे

अपने सिस्टम में लॉगिन नहीं कर सके। ओरेकल में छंटनी के ताजा दौर के बाद सोशल मीडिया पर इस तरह की कई पोस्ट सामने आई हैं, जिनमें प्रभावित कर्मचारियों, उनके परिवारों और दोस्तों ने अचानक नौकरी जाने के अनुभव साझा किए हैं। कुछ ने नए रोजगार के लिए मदद मांगी है, जबकि कुछ ने सालों का करियर अचानक खत्म हो जाने की निराशा और आगे की अनिश्चितता के बारे में लिखा है।

ओरेकल ने 14 सितंबर से शुरू किया छंटनी का नया दौर

हालांकि, संबंधित व्यक्तियों से तत्काल संपर्क नहीं हो सका और परिवार के सदस्यों तथा दोस्तों द्वारा किए गए दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी। अमेरिकी कंपनी ओरेकल ने 14 सितंबर से छंटनी का नया दौर शुरू किया है। प्रभावित कर्मचारियों की कुल संख्या अभी सार्वजनिक नहीं हुई है, हालांकि ये हजारों में बताई जा रही है। रिपोर्टों के अनुसार, कुछ कर्मचारियों को उसी दिन ईमेल के जरिए बताया गया कि उनका पद समाप्त किया जा रहा है।

ये छंटनी एआई और क्लाउड इंफ्रा में भारी निवेश कर रही कंपनी के व्यापक पुनर्गठन का हिस्सा है। ओरेकल ने वित्त वर्ष 2025-26 में अपने ग्लोबल वर्कफोर्स से करीब 21,000 यानी 13 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी की थी। कंपनी ने पिछले हफ्ते पुनर्गठन कार्यक्रम की अनुमानित लागत 70 करोड़ डॉलर बढ़ाकर करीब 2.8 अरब डॉलर कर दी। इसमें नौकरी में कटौती और कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने से जुड़ी लागत शामिल है।

छंटनी के ताजा दौर में दुनियाभर में कितने कर्मचारी प्रभावित हुए हैं, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। जानकारों को आशंका है कि इस नए दौर का भारत पर बड़ा असर पड़ सकता है। कुछ मीडिया रिपोर्ट में इससे हजारों कर्मचारियों के प्रभावित होने का अनुमान लगाया गया है। इस संबंध में टिप्पणी के लिए ओरेकल को भेजे गए ईमेल का तत्काल कोई जवाब नहीं मिला।

देश के निर्यात में 26% की बंपर बढ़ोतरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का वस्तु निर्यात अगस्त में सालाना आधार पर 26.12 प्रतिशत की जोरदार तेजी के साथ 43.81 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग और पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में मजबूत बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसके अलावा, सोने के आयात में गिरावट से देश का व्यापार घाटा भी घटकर 5 महीने के निचले स्तर 26.86 अरब डॉलर पर आ गया।

मंगलवार को जारी वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त में देश का आयात 14.1 प्रतिशत बढ़कर 70.76 अरब डॉलर रहा। इस दौरान कच्चे तेल, परियोजना वस्तुओं, इलेक्ट्रॉनिक सामान, चांदी तथा कोयला और कोक के आयात में बढ़ोतरी हुई। अगस्त में सोने का आयात 57.75 प्रतिशत घटकर 2.3 अरब डॉलर रह गया। वहीं, कच्चे तेल का आयात 37.28 प्रतिशत बढ़कर करीब 16 अरब डॉलर रहा। पिछले महीने ब्रेंट क्रूड की कीमत 90 से 94 डॉलर प्रति बैरल के बीच रही। अगस्त में निर्यात वृद्धि जून, 2022 के बाद सबसे ज्यादा रही।

नई पीढ़ी को नरेंद्र मोदी से मिले उड़ान के लिए पंख

– पी.वी. सिंधु

युवाओं को पढ़ाने के तरीके पर भी नए सिरे से सोचा गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने उस व्यवस्था को बदल दिया है जिसके तहत 16 साल के छात्र को किसी एक विषय (स्ट्रीम) में जबरदस्ती दाखिल करा दिया जाता था, जो उसे जीवन भर की सजा की तरह लगता था लेकिन अब यह जीवन भर की सजा की तरह नहीं रहा। अब छात्र ऐसे विषयों को एक साथ पढ़ सकते हैं जिन्हें पहले कभी साथ नहीं पढ़ाया जाता था, किसी डिग्री को बीच में छोड़कर वहीं से दोबारा शुरू कर सकते हैं और देश से बाहर जाए बिना ही विश्वस्तरीय पढ़ाई कर सकते हैं, क्योंकि दुनिया भर के विश्वविद्यालयों ने अब यहीं अपने कैंपस खोलना शुरू कर दिया है।

क्या होता अगर दस साल पहले कोई भारतीय युवा लड़की कहती कि उसे रॉकेट बनाना है। उसे इसरो में शामिल होकर नहीं, बल्कि अपना खुद का रॉकेट बनाना है। ऐसी स्थिति में शायद उसके आसपास के लोग खामोश रह जाते। फिर कोई बहुत सहानुभूति से उसे समझाता कि यह उसके बस की बात नहीं है। वह समझाता की अंतरिक्ष पर सिर्फ सरकार का हक होता है। इतने बड़े सपने तो दूसरे देशों के लोगों के लिए होते हैं।

18 जुलाई, 2026 को एक प्राइवेट भारतीय कंपनी का बनाया रॉकेट अंतरिक्ष की कक्षा में पहुंच गया। इस रॉकेट को स्काईरूट ने बनाया था, जिसकी बुनियाद दो नौजवान इंजीनियरों ने रखी थी। दोनों ने अपने सुरक्षित काम छोड़ कर इस लगभग नामुमकिन सपने को सच करने की ठान रखी थी। स्काईरूट की इस कामयाबी के साथ ही भारत दुनिया के उन सिर्फ तीन देशों में शामिल हो गया जहां किसी आम नागरिक की प्राइवेट कंपनी अंतरिक्ष तक पहुंच सकती है। इस कामयाबी को हासिल करने वाले बाकी दो देश अमेरिका और चीन हैं। वह लड़की, जिसके सपने के पूरा होने का किसी को भी भरोसा नहीं था, अब कह सकती है- ''मैं एलन मस्क बनना चाहती हूं। यह कोई नारा नहीं, बल्कि मेरा पक्का इरादा है।'' बेशक, वह अपने सपने को पूरा करने की यात्रा को शुरू कर सकती है।

पिछले दस वर्षों में हमारे देश में प्रतिभाओं में कोई बदलाव नहीं आया है। भारत के पास काबिलियत हमेशा से थी। जो चीज़ बदली, वह था अवसर। हमारे इतिहास में ज्यादातर समय किसी बड़े सपने का जवाब यह होता था कि ऐसा करना मुमकिन नहीं है। इसलिए नहीं कि काबिलियत में कोई कमी थी। इसलिए कि मंजिल तक पहुंचने का दरवाजा ही बंद था। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सबसे खामोश और सबसे बड़ी कामयाबी यह रही कि अब वह दरवाजा खुल चुका है।

इस बदलाव की गहराई को समझना बहुत जरूरी है। दशकों तक भारत में हर बड़े सपने को रुकावटों का सामना करना पड़ता था। कोई भी अहम काम करने के लिए आपको लाइसेंस, मंजूरी, जान-पहचान या प्रभावशाली परिवार के नाम की जरूरत पड़ती थी। देश में सपने देखने वालों की कभी कोई कमी नहीं थी। कमी थी तो सिर्फ दरवाजों की। और जब दरवाज़े कम हों तो वे सबसे पहले उनके लिए खुलते हैं जिनके पास पहले से चाबियां होती हैं। नौजवान, गरीब और वे लोग दरवाज़े के बाहर ही इंतज़ार करते रह जाते थे जिनके पास कोई बड़ी पहचान नहीं थी। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बंद दरवाजे को देखा और समझा कि असल में इसके क्या कारण थे। उन्होंने इस बदलाव को एक ही लाइन में बयान किया- सरकार का रवैया 'जब तक इजाज़त न हो, तब तक पाबंदी' से बदल कर 'जब तक मना न हो, तब तक इजाज़त' हो गया है। उनके पूरे दशक के काम के पीछे एक पक्का संकल्प रहा है- पाबंदियों की इस दीवार को गिराना और उसकी जगह खुले दरवाज़ों वाला देश बनाना। ऐसा देश जहां इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किसकी संतान हैं। फर्क इससे पड़ता है कि आप क्या बनाने की काबिलियत रखते हैं।

जरा गौर करें कि क्या-क्या खुल गया है। अंतरिक्ष पर 60 साल तक सरकार का एकाधिकार रहा। 2020 में उसे उन सबके लिए खोल दिया गया जिनके पास रॉकेट छोड़ने की योग्यता थी। फिर हमारे खेतों के ऊपर का आसमान खुला। उस रूल बुक को फाड़ कर फेंक दिया गया जिसके मुताबिक एक छोटे से ड्रोन को उड़ाने के लिए दर्जनों कागज़ात और इजाज़तों की ज़रूरत पड़ती थी। अब किसी छोटे शहर का कोई नौजवान अपना ड्रोन बना सकता है। उसे फोन के जरिए रजिस्टर कर अपना कारोबार शुरू कर सकता है। गांवों की हज़ारों महिलाओं के हाथों में ड्रोन सौंप दिए गए जिससे भविष्य का एक हिस्सा उनकी आजीविका का जरिया बन गया।

इनमें से कुछ बदलाव बहुत दबे पांव आए लेकिन उनकी अहमियत उतनी ही ज्यादा थी। 2021 में मानचित्रों को मुक्त कर दिया ताकि किसी भारतीय कंपनी को उस देश का सर्वे करने के लिए किसी मंजूरी की ज़रूरत नहीं पड़े जिसमें वह पहले से काम कर रही है। 2023 में एक ही कानून के ज़रिए सैकड़ों कानूनों में बदलाव किया गया। इस कानून के जरिए एक हज़ार से ज्यादा वैसे मामलों में आपराधिक सजा के प्रावधान को खत्म कर दिया गया जिनका संबंध कागजी औपचारिकताओं से था। उद्देश्य यह था कि सिर्फ एक फॉर्म छूट जाने पर किसी को जेल नहीं जाना पड़े।

2014 में अंतरिक्ष से संबंधित सिर्फ एक स्टार्टअप था। लेकिन आज भारत में ऐसे लगभग 440 स्टार्टअप हैं। उस समय कोई भी ड्रोन स्टार्टअप नहीं था मगर अब इनकी संख्या सैकड़ों में पहुंच चुकी है।

लेकिन सिर्फ दरवाजे खोलना अधूरी बात होगी। एक खुले दरवाज़े का कोई फायदा नहीं अगर वहां तक पहुंचने का आपके पास कोई रास्ता ही न हो। यहीं पर इस सोच की न्यायसंगतता नजर आती है। 2016 में स्टार्टअप इंडिया की शुरुआत के समय देश में करीब 350 मान्यता प्राप्त स्टार्टअप थे। आज इनकी संख्या दो लाख से ज़्यादा है और इन्होंने बीस लाख से ज़्यादा नौकरियां सृजित की हैं। ये अब सिर्फ़ बैंगलोर या दिल्ली तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि देश के हर कोने में छोटे शहरों और कस्बों तक पहुँच चुके हैं, जिनमें से एक लाख से भी अधिक की शुरुआत महिलाओं द्वारा की गई है।

ये ऋण खास तौर पर उन लोगों के लिए थे जिन्हें पुरानी व्यवस्था में नज़रअंदाज़ किया गया था – जैसे दलित और आदिवासी परिवारों के पहली बार व्यवसाय शुरू करने वाले लोग और महिलाएँ। साथ ही, करोड़ों ऐसे भारतीय जिनके पास कभी बैंक खाता नहीं था, उन्हें आखिरकार इस दायरे में लाया गया, जहाँ एक साधारण फोन ही बैंक बन गया। आज एक सब्जी बेचने वाला और एक स्टार्ट-अप का संस्थापक दोनों एक ही तरीके से पैसे का लेन-देन करते हैं।

युवाओं को पढ़ाने के तरीके पर भी नए सिरे से सोचा गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने उस व्यवस्था को बदल दिया है जिसके तहत 16 साल के छात्र को किसी एक विषय (स्ट्रीम) में जबरदस्ती दाखिल करा दिया जाता था, जो उसे जीवन भर की सजा की तरह लगता था लेकिन अब यह जीवन भर की सजा की तरह नहीं रहा। अब छात्र ऐसे विषयों को एक साथ पढ़ सकते हैं जिन्हें पहले कभी साथ नहीं पढ़ाया जाता था, किसी डिग्री को बीच में छोड़कर वहीं से दोबारा शुरू कर सकते हैं और देश से बाहर जाए बिना ही विश्वस्तरीय पढ़ाई कर सकते हैं, क्योंकि दुनिया भर के विश्वविद्यालयों ने अब यहीं अपने कैंपस खोलना शुरू कर दिया है।

यह सब एक ही बात की ओर इशारा करता है, एक ऐसा देश जिसने आखिरकार अपने युवाओं पर भरोसा करने का फ़ैसला किया है। हमारे इतिहास के ज़्यादातर समय में, हमारी सबसे प्रतिभाशाली पीढ़ी को लगता था कि कुछ ठोस करने के लिए उन्हें विदेश जाना होगा। हमने उन्हें धीरे-धीरे, साल-दर-साल उन देशों के हाथों खो दिया, जिनके पास ऐसे अनेक अवसर थे जो हमारे पास नहीं थे। यहाँ अंतरिक्ष से लेकर सिलिकॉन तक, सॉफ्टवेयर से लेकर कक्षाओं तक, उन दरवाज़ों को खोलकर इस नेतृत्व ने उस प्रतिभा को देश में रुकने की एक वजह दी है और यहाँ तक कि घर वापस लौटने का एक कारण भी दिया है। भविष्य का निर्माण करना अब कोई ऐसा काम नहीं रहा जिसके लिए आपको भारत छोड़ना पड़े। अब देश में ही रहकर यह काम कर सकते हैं।

और यह वह पक्ष है जिसे कोई भी नीतिगत दस्तावेज़ बयान नहीं कर सकता, वही पक्ष जो बाकी सभी बातों को एक अलग रूप में प्रस्तुत करता है। एक पूरी पीढ़ी को हर तरह का अवसर दिए जाने के बाद भी वे खुद को उपेक्षित महसूस कर सकती है। नरेंद्र मोदी ने भारत के युवाओं को कभी भी ऐसी समस्या नहीं माना जिसे बस 'मैनेज' करना हो या सिर्फ़ वोट बैंक समझा हो। वे परीक्षा से पहले छात्रों के साथ बैठकर उनसे डर, दबाव और उम्मीद के बारे में खुलकर बात करते हैं। वे किसी शासक की तरह प्रजा को उपदेश नहीं देते हैं, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति की तरह बात करते हैं जो यह याद रखता है कि युवा होना, डरा होना और साथ ही सपनों से भरा होना कैसा होता है। वे युवाओं से बराबरी के स्तर पर बात करते हैं। वे न तो उन्हें नीचा दिखाते हैं और न ही उनकी बात को अनसुना करते हैं। जब कठिन पल आते हैं, तो वे उनका डटकर सामना करते हैं और युवाओं को अपने उदाहरण से दिखाते हैं कि कुछ भी छिपाने की ज़रूरत नहीं है।

यह कोई छोटी बात नहीं है। हो सकता है कि यह सबसे बड़ी बात हो। क्योंकि जब किसी युवा व्यक्ति को काबिल मानकर बात की जाती है तो धीरे-धीरे उसे भी यकीन होने लगता है कि वह वाकई काबिल है। जो युवा खुद को काबिल मानता है, वही किराए के कमरे में रॉकेट कंपनी शुरू करता है और कुछ ही सालों में अंतरिक्ष तक पहुँच जाता है।

हर पीढ़ी को वे सीमाएँ विरासत में मिलती हैं जिन्हें उसने स्वयं नहीं चुना होता। हमारे दादा-दादी को अभाव विरासत में मिला। हमारे माता-पिता को अनुमति और आदेश विरासत में मिले और मिला ऊपर बैठे किसी व्यक्ति के 'हाँ' कहने का लंबा इंतज़ार। हमें कुछ अलग विरासत में मिला हैः एक ऐसा देश जो आखिरकार इसका निर्माण करने के लिए हम पर विश्वास करता है।

यही इस नेतृत्व का वास्तविक मापदंड है। यह कोई योजना या आंकड़ा नहीं, बल्कि एक युवा भारतीय की सोच और कल्पना के दायरे में आया बदलाव है। जुलाई में अंतरिक्ष तक पहुँचा रॉकेट उन लोगों द्वारा बनाया गया था, जिनसे कभी कहा गया था कि उनके लिए कोई दरवाज़ा ही नहीं खुला है। वह खुला दरवाज़ा अब मौजूद है और ऐसे ही हज़ार अन्य दरवाज़े भी खुले हैं। अब किसी युवा भारतीय के लिए केवल यही सवाल नहीं रह गया है कि उसे सपने देखने की अनुमति है या नहीं; अब सवाल यह है कि वह कितनी दूर जाने का इरादा रखता है।

(पीआईबी)

(लेखक दो बार की ओलंपिक पदक विजेता है और वर्तमान में आंध्र प्रदेश सरकार में डिप्टी कलेक्टर के पद पर कार्यरत है।)

नुआखाई पर्व पर देवभोग पहुंचे भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल चंद्राकर, कार्यकर्ताओं और आमजनों से की सौजन्य भेंट

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। गरियाबंद जिले के बिंद्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के प्रवास पर पहुंचे भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर ने देवभोग क्षेत्रवासियों को नई फसल के स्वागत और प्रकृति के उपहार के प्रति कृतज्ञता के पावन पर्व नुआखाई की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने गोहरापदर सहित झाखरपारा एवं देवभोग मंडल के विभिन्न बूथों में पहुंचकर भाजपा कार्यकर्ताओं और आमजनों से सौजन्य भेंट-मुलाकात की और पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित की।

वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर के अवसर पर भाजपा द्वारा चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत "आशीर्वाद का दिया" कार्यक्रम को जनांदोलन का रूप देने का आह्वान किया गया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप, मंत्री सुरेंद्र सोनटेके, डॉ. मनीष सिन्हा, मंडल अध्यक्षद्वय भगवानो बेहरा एवं जगमोहन पटेल एवं मीडिया सह प्रभारी रितेश यादव ने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से हर घर दीप जलाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करने की अपील की। देवभोग क्षेत्र के इस प्रवास के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल चंद्राकर ने कार्यकर्ताओं के साथ संवाद कर संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी ली और उन्हें सेवा एवं संगठन के कार्यों को निरंतर गति देने के लिए प्रेरित किया। जिले के अंतिम छोर के क्षेत्र देवभोग में जिलाध्यक्ष के पहुंचने से कार्यकर्ताओं में उत्साह और ऊर्जा का संचार हुआ। जिलाध्यक्ष को अपने बीच पाकर कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया और प्रसन्नता व्यक्त की।

निर्माण कार्यों में रॉयल्टी और डीएमएफ राशि का ब्यौरा देना होगा 5 दिवस में

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में शासकीय निर्माण कार्यों में खनिज राजस्व मद के अंतर्गत देय रॉयल्टी एवं जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) राशि की जानकारी अद्यतन करने की कार्रवाई की जा रही है। इस संबंध में खनिज शाखा द्वारा जिले के विभिन्न विभागों, निर्माण एजेंसियों एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक जानकारी निर्धारित समय-सीमा में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

खनिज शाखा द्वारा जारी पत्र में वित्तीय वर्ष 2015-16 से 2025-26 तक कराए गए निर्माण कार्यों में निर्माण एजेंसियों एवं ठेकेदारों द्वारा देय रॉयल्टी और डीएमएफ राशि के विरुद्ध जमा की गई रॉयल्टी राशि, जमा डीएमएफ राशि तथा भुगतान के लिए शेष राशि की जानकारी मांगी गई है।

संबंधित विभागों एवं निर्माण एजेंसियों को निर्धारित प्रारूप में माहवार एवं दिनांकवार जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही जमा राशि से संबंधित चालान की प्रति अथवा ट्रांजेक्शन रिपोर्ट भी उपलब्ध करानी होगी। यह जानकारी पत्र प्राप्ति के 5 दिवस के भीतर विशेष वाहक के माध्यम से खनिज शाखा कार्यालय में अथवा ई-मेल के माध्यम से भेजना सुनिश्चित करने को कहा गया है।

इस जानकारी के आधार पर जिले में निर्माण कार्यों से संबंधित रॉयल्टी एवं डीएमएफ राशि का संकलित डाटा तैयार कर उसका मिलान किया जाएगा, जिससे विभागीय अभिलेखों में जानकारी को अद्यतन रखा जा सके। खनिज शाखा ने स्पष्ट किया है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 से संबंधित जानकारी प्रत्येक माह की 5 तारीख तक उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। यदि किसी विभाग या निर्माण एजेंसी की जानकारी निरंक हो, तब भी निर्धारित प्रारूप में निरंक जानकारी उपलब्ध करानी होगी। गौरतलब है कि कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार इस प्रक्रिया का उद्देश्य खनिज राजस्व एवं डीएमएफ मद से संबंधित राशि का सुव्यवस्थित अभिलेखीकरण, पारदर्शिता और समयबद्ध मिलान सुनिश्चित करना है।

विश्व ओजोन दिवस : दल्लीराजहरा के वार्ड 13 में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के लिए गूंजा जन-जागरूकता का संदेश

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ के बालोद जिला अंतर्गत दल्ली राजहरा के वार्ड क्रमांक 13 में पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को लेकर एक विशेष जन-जागरूकता व स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्थानीय निवासियों को ओजोन परत के महत्व से अवगत कराना और उन्हें अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित करना था।

पर्यावरण प्रेमी प्रदीप साहू के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में स्थानीय युवाओं और पर्यावरण प्रेमियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यकर्ताओं ने न केवल स्वयं श्रमदान करके पूरे वार्ड परिसर में व्यापक साफ-सफाई की, बल्कि क्षेत्रवासियों को स्वच्छता बनाए रखने का सशक्त संदेश भी दिया। अभियान के दौरान नागरिकों के साथ प्रत्यक्ष संवाद स्थापित कर ओजोन परत के क्षरण के कारणों, इसके दुष्प्रभावों और जीवन में पर्यावरण संतुलन के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पर्यावरण प्रेमी प्रदीप साहू ने जमीनी स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल बड़े मंचों या औपचारिक आयोजनों तक सीमित रहने के बजाय आम जनता के बीच जाकर छोटे-छोटे अभियानों के जरिए जागरूकता फैलाना अधिक प्रभावी सिद्ध होता है। हमें अपनी दैनिक दिनचर्या में पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों और जिम्मेदार उपभोग की आदतों को शामिल करना होगा।

प्रदीप साहू ने ओजोन परत के क्षरण को रोकने के व्यावहारिक उपायों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अनावश्यक ऊर्जा खपत पर रोक लगाना, पुराने एसी और रेफ्रिजरेटर जैसे उपकरणों का सुरक्षित निपटान करना, अधिक से अधिक पौधे लगाना और लोगों को जागरूक करना हर नागरिक का परम कर्तव्य है। ओजोन परत पृथ्वी की एक प्राकृतिक रक्षा कवच है, जिसकी सुरक्षा सीधे तौर पर मानव जाति, जैव विविधता और हमारी आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ी हुई है। अतः पर्यावरण संरक्षण का यह प्रयास केवल एक दिन तक सीमित न रहकर दैनिक जीवन का हिस्सा बनना चाहिए।

इस प्रेरक अभियान में प्रदीप साहू के साथ टिकेश्वर साहू, राजकुमार साहू, ताराचन्द रावटे, चेलाराम निर्मलकर, कौशल साहू, लोकेंद्र देवांगन, हेमशंकर, त्रिलोचन यादव तथा झंकार भारद्वाज ने सक्रिय रूप से श्रमदान देकर अपनी सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित नागरिकों और पर्यावरण प्रेमियों द्वारा लिए गए एक सामूहिक संकल्प के साथ हुआ जिसमें "ओजोन परत की सुरक्षा का संकल्प निभाएंगे, आस-पास के वातावरण को पूर्णतः स्वच्छ बनाएंगे। प्रदूषण को नियंत्रित कर वृक्षों का संरक्षण करेंगे और भावी पीढ़ियों को एक स्वस्थ व सुरक्षित पृथ्वी सौंपेंगे।"

जनसेवा के प्रति आभार के साथ लिया जाएगा विकसित भारत 2047 का सामूहिक संकल्प

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत जिले में 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम का आयोजन 17 सितंबर 2026 को शाम 6.30 बजे से 7.30 बजे तक स्वर्गीय सरयू प्रसाद अग्रवाल स्टेडियम, गंजपारा बालोद में किया जाएगा। कार्यक्रम के माध्यम से जनसेवा के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ विकसित भारत 2047 के सामूहिक संकल्प को दोहराया जाएगा।

कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर सीईओ जिला पंचायत सुनील कुमार ने स्वर्गीय सरयू प्रसाद अग्रवाल स्टेडियम पहुंचकर कार्यस्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यक्रम स्थल की व्यवस्थाओं, बैठक व्यवस्था, प्रवेश एवं निकासी सहित अन्य तैयारियों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कार्यक्रम को व्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए मॉकड्रिल का भी आयोजन किया गया। मॉकड्रिल के माध्यम से कार्यक्रम के दौरान विभिन्न व्यवस्थाओं और जिम्मेदारियों का पूर्वाभ्यास किया गया, ताकि मुख्य कार्यक्रम के दौरान सभी गतिविधियां सुचारू रूप से संचालित हो सकें। सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य केंद्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाना और प्रत्येक परिवार की सहभागिता के माध्यम से व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करना है। इसी क्रम में 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम की तैयारियों में जिले के समस्त व्यायाम शिक्षक, विकासखंड बालोद के नगरीय क्षेत्र के विद्यालयों के शिक्षक, जिले के सभी विद्यालयों के लिपिक एवं भृत्य तथा रेडक्रॉस, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), स्काउट-गाइड और इको क्लब से जुड़े प्रभारी शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं सहभागिता करेंगे।

जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा संबंधित विद्यालयों को कार्यक्रम में निर्धारित समय पर आवश्यक तैयारियों के साथ उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए मॉकड्रिल के माध्यम से सभी संबंधितों को उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराया गया। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के नेतृत्व में जिले में सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से जनभागीदारी, जनसेवा के प्रति सम्मान और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता को और मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम में जिलेवासी एकजुट होकर जनसेवा के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ विकसित भारत 2047 के निर्माण में अपनी सहभागिता का संकल्प लेंगे। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर श्रीमती मधुहर्ष सहित अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे।

डॉक्टर बनना मंजिल नहीं, समाज सेवा करना असली लक्ष्यः विजय शर्मा

रायपुर ■ दैनन्दिनी

उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने विद्यार्थियों को नए शैक्षणिक जीवन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपने बड़ा लक्ष्य रखा, डॉक्टर बनने का सपना देखा, लेकिन डॉक्टर बनना ही अंतिम लक्ष्य नहीं होना चाहिए। लक्ष्य केवल एक पड़ाव नहीं, बल्कि निरंतर आगे बढ़ने की यात्रा है। हमारा उद्देश्य केवल डॉक्टर बनना नहीं, बल्कि डॉक्टर बनकर समाज के लिए अच्छा कार्य करना होना चाहिए।

कबीरधाम जिले की चिकित्सा शिक्षा के इतिहास में आज का दिन ऐतिहासिक बन गया। शासकीय मेडिकल कॉलेज कवर्धा में प्रथम शैक्षणिक सत्र और प्रथम बैच की पढ़ाई का शुभारंभ हुआ। इस ऐतिहासिक अवसर पर उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा और सांसद संतोष पाण्डेय ने नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का एप्रॉन, स्टेथोस्कोप, पेन और गुलाब का फुल देकर स्वागत किया। विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ अपने नए शैक्षणिक जीवन की शुरुआत की। मेडिकल कॉलेज के इतिहास के इस पहले दिन विद्यार्थियों ने अतिथियों के साथ अपने संघर्ष, तैयारी और सपनों को साझा किया।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि जिस परिवार और समाज ने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का अवसर दिया है, उसके प्रति सेवा का भाव हमेशा बनाए रखना चाहिए। उप मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि वे मन लगाकर पढ़ाई करें और अपने लक्ष्य की तैयारी निरंतर जारी रखें। पढ़ाई के दौरान अनावश्यक तनाव नहीं होना चाहिए। सफलता किसी एक व्यक्ति का परिणाम नहीं होती, बल्कि परिवार और सभी के संयुक्त प्रयासों से प्राप्त होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को अच्छे डॉक्टर बनने और समाज की सेवा करने के लिए प्रेरित किया।

सांसद संतोष पाण्डेय ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी के संयुक्त प्रयासों से कवर्धा में मेडिकल कॉलेज के प्रथम बैच का शुभारंभ हुआ है। देश में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुविधाओं के विस्तार पर कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने कहा कि विद्यार्थियों ने कठिन मेहनत के बाद यहां तक पहुंचने में सफलता प्राप्त की है, लेकिन यह अंत नहीं, बल्कि शुभारंभ है। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति डॉक्टर के पास आता है तो उसके मन में स्वस्थ होने की उम्मीद होती है इसलिए चिकित्सा के क्षेत्र में सेवा भाव और संवेदनशीलता सबसे महत्वपूर्ण होना चाहिए।

पिता ने कभी निराश नहीं होने दिया- संवाद के दौरान राजनांदगांव निवासी अतिथि देवांगन दूसरे प्रयास में सफल हुईं। उन्होंने बताया कि पिता ने कभी निराश नहीं होने दिया, बल्कि गलतियों को पहचानकर सुधार करने और लगातार प्रयास करते रहने के लिए प्रेरित किया। वहीं भूपेंद्र सिंह ने ऑनलाइन कोचिंग से तैयारी की, जबकि कवर्धा के धरमपुरा निवासी आकाश धुर्वे ने लाइब्रेरी में स्व-अध्ययन कर सफलता हासिल की। भिलाई निवासी हर्षिता तीसरे प्रयास में सफल हुईं। भिलाई निवासी अंशिता सिंह के पिता ने बताया कि बेटी की तैयारी में उन्होंने मार्गदर्शन के साथ मॉक टेस्ट में सहयोग किया। उन्होंने कहा कि भिलाई का पढ़ाई के लिए अच्छा माहौल भी तैयारी में सहायक रहा।

उपमुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से किया संवाद

प्रथम बैच के विद्यार्थियों के शुभारंभ अवसर पर उप मुख्यमंत्री शर्मा ने उनसे आत्मीय संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से उनकी तैयारी, पढ़ाई की दिनचर्या, कोचिंग के अनुभव और प्रवेश परीक्षा के बारे में जानकारी ली। विद्यार्थियों ने भी खुलकर अपनी तैयारी और सफलता की कहानी साझा की। किसी ने ऑनलाइन कोचिंग के माध्यम से तैयारी की तो किसी ने लाइब्रेरी में स्व-अध्ययन को आधार बनाया।

सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान को लेकर CS विकासशील ने की समीक्षा बैठक

अधिकारियों को दिए अहम निर्देश

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के अंतिम व्यक्ति और प्रत्येक पात्र परिवार तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू किए गए महत्वाकांक्षी सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान की प्रगति को लेकर आज उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई. मुख्य सचिव ने इस दौरान सुघ्घर छत्तीसगढ़ डैश-बोर्ड पर दर्ज योजनाओं के क्रियान्वयन और पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किए जाने की चल रही कार्रवाई की विस्तार से समीक्षा की. बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने निम्नलिखित प्रमुख योजनाओं के संतृप्तिकरण की स्थिति पर अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली. प्रधानमंत्री किसान योजना एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड, राशन कार्ड एवं मुफ्त राशन वितरण, जॉब कार्ड एवं

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), महतारी वंदन योजना, कौशल विकास कार्यक्रम, प्रधानमंत्री जन-धन योजना व अन्य हितग्राही मूलक योजनाओं के साथ ही, भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित बैठक के कार्यवाही विवरण के अनुसार संतृप्ति अभियान की प्रगति, ग्रेन्यूल आंकड़ों, बस्तर संभाग के अंतर्गत संतृप्तिकरण, नियद नेल्ला नार-2.0 और सुघ्घर छत्तीसगढ़ पोर्टल में राशन कार्ड के आधार पर हितग्राहियों की सूची की भी गहन समीक्षा की गई. इस उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव ऋचा शर्मा, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव अंकित आनंद, सुशासन एवं अभिसरण और सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त सचिव मयंक अग्रवाल सहित पंचायत एवं ग्रामीण विकास और अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए.

डैश-बोर्ड के माध्यम से पारदर्शिता और निगरानी

सुघ्घर छत्तीसगढ़ ग्रामीण योजना के तहत शासन की विभिन्न योजनाओं के सभी पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिए एक विशेष राज्य-स्तरीय डैश-बोर्ड तैयार किया गया है. इस डैश-बोर्ड पर राज्य और केंद्र शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं के सर्वेक्षित हितग्राहियों की सूची दर्ज है. मुख्य सचिव ने निर्देश दिए हैं कि इस राज्य-स्तरीय डैश-बोर्ड में शासन की सभी योजनाओं की जिलेवार संतृप्ति का स्पष्ट विवरण होना चाहिए, ताकि पारदर्शिता और त्वरित गति से योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके.

विजय शर्मा ने एम्स रायपुर में महाराष्ट्र सड़क हादसे के घायलों से की मुलाकात

रायपुर ■ दैनन्दिनी

महाराष्ट्र के भंडारा जिले में नागपुर-रायपुर राजमार्ग पर हुए सड़क हादसे में घायल कबीरधाम जिले के सहसपुर लोहारा क्षेत्र के लोगों से उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने एम्स रायपुर पहुंचकर मुलाकात की। मंगलवार देर शाम रायपुर एम्स पहुंचे श्री शर्मा ने घायलों और

उनके परिजनों से आत्मीयता से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा उन्हें हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने एम्स के विशेषज्ञ चिकित्सकों से भी मुलाकात कर घायलों के उपचार की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों से घायलों की वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति, चल रहे उपचार और आगे की चिकित्सा प्रक्रिया के संबंध में चर्चा की तथा सभी घायलों को बेहतर से बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने ग्राम बांधाटोला निवासी पांच वर्षीय लुकेश पटेल, दो वर्षीय डाली पटेल और 26 वर्षीय ललिता पटेल से मुलाकात कर उनका हाल जाना। मासूम बच्चों सहित हादसे में घायल लोगों और उनके परिजनों के बीच पहुंचकर श्री शर्मा ने उन्हें ढांढस बंधाया और कहा कि इस कठिन समय में सरकार और प्रशासन उनके साथ खड़ा है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा हादसे के बाद लगातार परिवार जनों से संपर्क बनाए हुए हैं, अस्पताल में भर्ती से लेकर घायलों के उपचार तक निरंतर संपर्क कर पीड़ित परिवारों को सहायता प्रदान कर रहे हैं।

दिवंगतों के घर पहुंचकर पहले ही जता चुके हैं संवेदना

उल्लेखनीय है कि हादसे के बाद उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कबीरधाम जिले में दुर्घटना में दिवंगत हुए पीड़ितों के घर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की थी। उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की थीं और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया था। इसी दौरान उन्होंने हादसे में घायल लोगों के परिजनों से भी मुलाकात कर उनके उपचार की जानकारी ली थी।

अब योजनाओं का पैसा खाते में पड़ा नहीं रहेगा जरूरत पर सीधे हितग्राही-वेंडर को भुगतान

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राज्य सरकार की योजनाओं में अब सरकारी राशि के उपयोग और निगरानी की व्यवस्था बदलने जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य योजनाओं के लिए State Single Nodal Agency (S-SNA) मॉडल लागू करने को मंजूरी दी गई। इसके तहत हर चिन्हित योजना के लिए एक केंद्रीकृत बैंक खाता होगा और राशि जरूरत के समय ही जारी की जाएगी। इससे अलग-अलग खातों में लंबे समय तक पड़ी सरकारी रकम को कम करने और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने का लक्ष्य है। नई व्यवस्था में प्रत्येक योजना के लिए S-SNA Mother Account बनाया जाएगा। क्रियान्वयन एजेंसियों के खातों में पहले से राशि डालने के बजाय उन्हें निर्धारित Spending/Drawing Limit उपलब्ध कराई जाएगी। वास्तविक भुगतान के समय S-SNA खाते से Zero Balance Subsidiary Account (ZBSA) के जरिए सीधे हितग्राही या वेंडर के खाते में राशि जाएगी। यानी एक योजना-एक बैंक खाता और जरूरत पर भुगतान व्यवस्था लागू होगी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सरकार का लक्ष्य योजनाओं के लिए उपलब्ध हर रुपए का अधिकतम और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना है। S-SNA मॉडल से सरकारी धन के प्रवाह में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी तथा योजनाओं के क्रियान्वयन की रियल-टाइम निगरानी संभव होगी। इससे वित्तीय अनुशासन और सुशासन को मजबूती मिलेगी।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी के अनुसार नई व्यवस्था राज्य के वित्तीय प्रबंधन को तकनीक-सक्षम और परिणामोन्मुख बनाएगी। वर्तमान में कई बार जरूरत से पहले राशि आहरित होने से विभिन्न खातों में रकम निष्क्रिय पड़ी रहती है। दूसरी ओर सरकार को योजनाओं के लिए संसाधन जुटाने के लिए ऋण लेना पड़ता है। S-SNA मॉडल में आवश्यकता के समय ही राशि उपलब्ध कराने से नकदी प्रबंधन बेहतर होगा और अनावश्यक ऋण तथा उस पर ब्याज के बोझ को कम करने में मदद मिल सकती है।

इस व्यवस्था में फंड फ्लो की शुरुआत State Treasury/e-Kosh से S-SNA खाते तक होगी। इसके बाद भुगतान की वास्तविक जरूरत के अनुसार राशि जारी होगी। DBT और Non-DBT दोनों तरह के भुगतान तथा जिला, ब्लॉक, पंचायत और ग्राम स्तर की चिन्हित क्रियान्वयन एजेंसियों को इसमें शामिल किया जा सकेगा। योजनाओं की राशि का लगभग शून्य फ्लोट रखने की व्यवस्था होगी। डिजिटल सिस्टम से उपलब्ध निधि, जारी व्यय सीमा, वास्तविक खर्च और अप्रयुक्त राशि की जानकारी रियल-टाइम में मिल सकेगी। Maker-Checker आधारित डिजिटल ऑडिट ट्रेल से लेन-देन की निगरानी भी मजबूत होगी। सरकार का कहना है कि इससे अनधिकृत भुगतान, गबन और बैंकिंग धोखाधड़ी की संभावनाओं पर नियंत्रण में मदद मिलेगी। योजनाओं की राशि से अर्जित ब्याज राज्य की संचित निधि में जमा होगा।

नई व्यवस्था से DDO और अन्य एजेंसियों के खातों में लंबे समय तक पड़ी निष्क्रिय राशि, मैनुअल मिलान, विलंबित उपयोगिता प्रमाण-पत्र और ऑफलाइन सत्यापन जैसी समस्याएं कम करने का प्रयास होगा। सरकार के अनुसार विभागीय खातों में करीब 530 करोड़ रुपए और आरबीआई के DEAF खातों में करीब 100 करोड़ रुपए की निष्क्रिय राशि जैसी स्थिति को भी नियंत्रित करने में यह मॉडल उपयोगी होगा। S-SNA लागू करने के लिए योजना की पहचान, वित्त विभाग की मंजूरी, Scheme Code, e-Kosh Mapping, S-SNA और ZBSA खाते खोलने तथा Treasury से हितग्राही-वेंडर तक भुगतान जैसे छह चरण निर्धारित किए गए हैं।

रावतपुरा फेस-2 में बुलडोजर लेकर पहुंची निगम टीम

रायपुर. राजधानी के रावतपुरा फेस-2 कॉलोनी में बुधवार सुबह नगर निगम की टीम बुलडोजरों के साथ पहुंची है. नक्शा पास कराए बिना

निर्माण किए गए मकानों पर बुलडोजर कार्रवाई की जा रही है. निगम अधिकारियों के साथ पुलिस टीम भी मौके पर मौजूद है.जानकारी के मुताबिक, रावतपुरा फेस-2 में करीब 40 मकानों को नोटिस जारी किया था. इन मकानों के मालिकों ने बिना नक्शा पास कराए मकान निर्माण कराया है. नोटिस के बाद अब निगम की टीम आज कार्रवाई करने पहुंची है.निगम अमला करीब एक दर्जन बुलडोजर के साथ पहुंचा हुआ है. अप्रिय घटना से निपटने के लिए पुलिसकर्मी मौजूद हैं. निगम की कार्रवाई से इलाके में हलचल बढ़ गई है.

भूपेश सरकार में संवैधानिक अधिकारों का हुआ हननः भाजपा

रायपुर ■ दैनन्दिनी

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. विजयशंकर मिश्रा ने कांग्रेस की पिछली भूपेश सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि भूपेश सरकार के संरक्षण में राज्य के प्रतिभावान युवाओं और कर्मचारियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. मिश्रा ने बुधवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता में बताया कि छत्तीसगढ़ वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा वर्ष 2022 में आयोजित सीमित प्रतियोगिता परीक्षा में जांच के दौरान भारी धांधली, फर्जीवाड़ा और प्रणालीगत भ्रष्टाचार पाया गया है। इसके बाद शासन द्वारा इस परीक्षा को तत्काल प्रभाव से शून्य घोषित कर पूरी चयन प्रक्रिया को निरस्त कर दिया गया है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि 26 जून 2022 को लिपिक वर्ग से वाणिज्यिक कर निरीक्षक (टैक्स इंस्पेक्टर) के पदों के लिए परीक्षा आयोजित की गई थी। जाँच समिति की रिपोर्ट (3 जुलाई 2026) ने यह साफ कर दिया है कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में किस प्रकार नियमों की धज्जियां उड़ाई गई। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. मिश्रा ने बताया कि परीक्षा से पहले आरक्षण रोस्टर का पालन ही नहीं किया गया, जिससे वंचित और पिछड़े वर्गों के संवैधानिक अधिकारों पर सीधी चोट पहुंचाई गई। इसी तरह परीक्षा केंद्रों में उपस्थिति पंजी का संधारण ही नहीं किया गया ताकि मनचाहे लोगों की बैकडेट में एंट्री कराई जा सके। जाँच में पाया गया कि कई चयनित अभ्यर्थियों ने एक समान उत्तर लिखे थे। इतना ही नहीं, कॉपियों में कोडिंग व्यवस्था को जानबूझकर खत्म किया गया, ताकि मनपसंद अभ्यर्थियों की पहचान उजागर रहे। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. मिश्रा ने कहा कि अपनों को फायदा

पहुंचाने के लिए चयन समिति के अध्यक्ष, सदस्यों और परीक्षा नियंत्रक ने खुद नियम विरुद्ध पुनर्मूल्यांकन कर चहेतों के अंक बढ़ाए। खरीदी गई कॉपियों और इस्तेमाल/शेष कॉपियों के आँकड़ों में भारी विसंगतियाँ पाई गईं, जो सीधे तौर पर फर्जी कॉपियां जमा करने की ओर इशारा करती है।

मेधावी कर्मचारियों के साथ धोखा, सभी गलत नियुक्तियां रद्द-भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. मिश्रा ने स्पष्ट किया कि जाँच में यह साबित हो चुका है कि भूपेश सरकार के कार्यकाल में हुई यह परीक्षा पूरी तरह दूषित और फर्जीवाड़े पर आधारित थी। अनियमितताएँ इतनी व्यापक थीं कि इसमें से ईमानदार और धांधली करने वालों को अलग करना सम्भव नहीं था। शासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए 26 जून 2022 की परीक्षा एवं 1 जुलाई 2022 के तहत दिए गए सभी नियुक्ति आदेशों को तत्काल निरस्त कर दिया है। फर्जी तरीके से टैक्स इंस्पेक्टर बने सभी कर्मचारियों को उनके मूल पदों पर वापस भेज (प्रत्यावर्तित कर) दिया गया है।

जनता और युवाओं के मन में उठते सवाल-भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. मिश्रा ने कहा कि युवाओं और कर्मचारियों की मेहनत पर पानी फेरने वाली भूपेश सरकार को इस धांधली का जवाब देना ही होगा।

चाकू की नोंक पर राहगीरों को लूटने वाले गिरोह पर पुलिस ने कसा शिकंजा

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राजधानी रायपुर के पुरानी बस्ती और टिकरापारा इलाके में हुई लूट की दो घटनाओं का रायपुर कमिश्नरेट पुलिस ने खुलासा किया है। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और पुरानी बस्ती पुलिस की संयुक्त टीम ने मामले में पांच आरोपियों और एक नाबालिग को पकड़ा है। पुलिस ने इनके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल एक्टिवा और केटीएम बाइक जब्त किया है। पुलिस के मुताबिक, 4 सितंबर 2026 की सुबह पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में महामाई फैंसी स्टोर्स के पास एक व्यक्ति से लूट की घटना हुई थी। दो युवक मोटरसाइकिल से पहुंचे और रास्ता रोककर उसे डराया-धमकाया। इसके बाद उसकी फूलपेंट की जेब में रखे 2 हजार रुपए लूटकर फरार हो गए। शिकायत पर पुरानी बस्ती थाने में बीएनएस की धारा 309(2), 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसी दिन सुबह टिकरापारा थाना क्षेत्र के मठपारा स्थित दुर्गा चौक के पास भी लूट की वारदात हुई। पुलिस के अनुसार, छह

आरोपियों ने चाकू से डराकर एक व्यक्ति से मोबाइल फोन और 1,900 रुपए नकद लूट लिए और मौके से फरार हो गए। मामले में टिकरापारा थाने में बीएनएस की धारा 310(2) के तहत अपराध दर्ज किया गया। दोनों घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला और पुलिस उपायुक्त (पश्चिम क्षेत्र) रॉबिन्सन गुरिया ने आरोपियों की जल्द पहचान कर गिरफ्तारी के निर्देश दिए। इसके बाद एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और पुरानी बस्ती पुलिस की संयुक्त टीम ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। पुलिस ने पीड़ितों से आरोपियों के हुलिए, वारदात में इस्तेमाल वाहनों और लूट के तरीके के संबंध में जानकारी जुटाई। इसके साथ ही पूर्व में लूट की घटनाओं में शामिल आरोपियों की जानकारी जुटाकर मुखबिरों को सक्रिय किया गया और तकनीकी विश्लेषण के जरिए आरोपियों की पहचान के प्रयास किए गए। पुलिस को मिली सूचना के आधार पर टीम ने गजेन्द्र यादव उर्फ गोल्डी, डिगेन्द्र ध्रुव उर्फ बब्बू, रितेश विश्वास, भवम साहू, सुभेद कुमार हुमने उर्फ सुमेन और एक नाबालिग को पकड़ा। पूछताछ में आरोपियों ने पुरानी बस्ती क्षेत्र में हुई लूट की घटना में शामिल होना स्वीकार किया।

कांग्रेस कार्यकाल में गरीबों के साथ हुआ अन्याय : नेताम

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ में पीएम आवास के मुद्दे को लेकर सियासी बयानबाजी तेज है. पूर्व सीएम बघेल और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के बीच सीधी और तीखी बहस में उनके अपने-अपने दावों से राजनीति का पारा हाई है. इस बीच मंत्री रामविचार नेताम ने कांग्रेस पर निशाना साधा है. मंत्री रामविचार नेताम ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में पीएम आवास का काम रोककर रखा था. सभी को मालूम है कि

कांग्रेस सरकार में गरीबों के साथ अन्याय हुआ है. उन्होंने कहा कि भाजपा ने चुनावी घोषणा पत्र में गरीबों से पक्के आवास का वादा किया था, जिसे सरकार में आने के बाद पूरा भी किया गया. केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने भी घोषणा की थी कि छत्तीसगढ़ में जहां आवास की जरूरत होगी वहां उपलब्ध कराया जाएगा. एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन (17 सितंबर) को सेवा संकल्प अभियान के जरिए भाजपा भव्य आयोजन करने जा रही है. वहीं दूसरे तरफ कांग्रेस ने महंगाई दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की है. मंत्री नेताम पर कांग्रेस पर हमलावर होते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नाम से कांग्रेस के कपड़े गीले हो जाते हैं. उन्होंने बताया कि देशभर में प्रधानमंत्री मोदी के सेवा सुशासन का 25 वर्ष पूरा होने जा रहा है. पीएम मोदी के जन्मदिन को उत्साह के साथ विभिन्न कार्यक्रम करते हुए मनाया जाएगा. वह भी आशीर्वाद का दिया जलाकर दीर्घायु की कामना करेंगे.

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा नगर निगम कार्यालय के पीछे, मुकुटनगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं आसमां पब्लिशर्स जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com